रोहतक
शनिवार, 21 दिसंबर 2024
पौष मास कृष्ण पक्ष,
षष्ठी वर्ष : 28, अंक : 326
पृष्ठ 12 मूल्य 3 .00

मौसम
अधि. 21.3
न्यून. 5.6

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

3 धीरज और दीपिका बने राष्ट्रीय चैंपियन

SHOWROOMS: HARYANA: RENAULT **ROHTAK CITY** Ph: 9311700651. RENAULT **AMBALA** Ph: 8448890326. RENAULT **BHIWANI** Ph: 8588874682. RENAULT **FARIDABAD** Ph: 8860681876. RENAULT **HISAR** Ph: 7428190240. RENAULT **JHAJJAR** Ph: 8130501404. RENAULT **JIND** Ph: 9582547926. RENAULT **KAITHAL** Ph: 9582331769. RENAULT **KARNAL** Ph: 7428190245. RENAULT **KURUKSHETRA** Ph: 8588875152. RENAULT **PANIPAT** Ph: 8588891170. RENAULT **PANCHKULA** Ph: 9311853282. RENAULT **SONIPAT** Ph: 9289631444. RENAULT **REWARI** Ph: 9643335838. RENAULT **SIRSA** Ph: 9643357807.

बंडारू दत्तात्रेय

समर्पित रहा जीवन

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि चौटाला एक अनुभवी

राजनीतिज्ञ और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपना जीवन हरियाणा के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें याद रखा जाएगा।

हरविन्द्र कल्याण

मिसाल हैं चौटाला

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र

कल्याण ने कहा कि चौटाला का जीवन संघर्ष की मिसाल रहा है। उनकी राजनीतिक सूझबूझ और नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा।

डॉ. अरविंद शर्मा

संघर्षपूर्ण जीवन रहा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद

शर्मा ने ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर कहा कि उनका जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा। उनके परिवार व समर्थकों के लिए यह कठिन समय है।

अनिल विज

स्मरण शक्ति के धनी

परिवहन मंत्री अनिल विज ने

कहा कि ओमप्रकाश चौटाला अच्छे प्रशासक थे और उनकी स्मरण शक्ति अच्छी थी। वे जिसको एक बार मिल लेते थे उसको दोबारा नाम लेकर बुलाया करते थे।

भूपेंद्र हुड्डा

अहम योगदान

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने

कहा कि ओम प्रकाश चौटाला परिवार के साथ उनके प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। ओम प्रकाश चौटाला ने प्रदेश के विकास में काफी अहम योगदान दिया।

कृष्ण लाल पंवार

मैंने साथ काम किया

पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार

ने कहा कि चौटाला का निधन प्रदेश की राजनीति के लिए दुखद है, जिसकी पूर्ति नहीं की जा सकती। लंबे समय तक मैंने ओमप्रकाश चौटाला के साथ काम किया है।

डॉ. सतीश पूनिया

अत्यंत दुःखद घटना

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश

पूनिया ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ओमप्रकाश चौटाला का निधन अत्यंत दुःखद है। देवीलाल की विरासत को बखूबी बढ़ाया था, मैं उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं

मोहन लाल बड़ोली

परिजनों को संबल दें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्य आत्मा ओमप्रकाश चौटाला को अपने श्रीचरणों में स्थान और शोक संतप्त परिजनों को संबल दें।

बिप्लब कुमार देब

अमिट छाप छोड़ी

भाजपा के पूर्व प्रभारी एवं

सांसद बिप्लब कुमार देब सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा है कि राजनीति में अमिट छाप छोड़ने वाले, ओमप्रकाश चौटाला के निधन का समाचार दुःखद है।

हमेशा याद रहेंगे ओमप्रकाश चौटाला

■ खुले दरबार लगाने की पहल ओपी चौटाला ने ही की थी, नई परंपराओं की शुरुआत करने का श्रेय उन्हें ही जाता है

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला को प्रदेश के अंदर कई नई परंपरा की शुरुआत करने का श्रेय जाता है। एक दौर में एनडीए का हिस्सा रहे और स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के मुरीद चौटाला अंत्योदय का फार्मूला भी याद रखते थे, इसी कारण से उन्होंने राज्य के कई गुरबत वाले चेहरों को राज्यसभा में भेजने की पहल की, पार्टी के गरीब कार्यकर्ता, दलित, पिछड़ों, एसटी को सम्मान देकर कई बार उन्होंने साफ कर दिया कि वे इन वर्गों के हितों का कितना ख्याल रखते हैं।

-योगेंद्र शर्मा, चंडीगढ़

चंडीगढ़। स्वर्गीय सीएम ओमप्रकाश चौटाला कई बातों और शुरुआत के लिए भी हमेशा हमेशा के लिए जाने जाएंगे, साफगोई के धनी पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला ने राज्य स्तरीय पंजाबी सम्मेलन की शुरुआत अपने वक्त में की थी। राज्य में सीएम द्वारा खुले दरबार लगाने की परंपरा भी उन्होंने की और मौके पर ही समस्याओं का समाधान करने व वादे के धनी थे। स्वर्गीय चौटालाल सोशल इंजीनियरिंग के इतने माहिर थे कि कई पुराने उनके बुजुर्ग दोस्त उन्हें ओमप्रकाश गोयल कहने लगे थे। खुले दरबार में होने वाले आदेश के बारे में वे कोई लिखित रिकार्ड नहीं बल्कि खुद याद रखते थे और घोषणा पर सौ फीसदी अमल कराने की कला भी उनके अंदर थी।

संस्कृति नहीं समझने वाले अफसरों से हो जाते थे नाराज

स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला अक्सर हरियाणा की संस्कृति नहीं समझने वाले और अपनी मनमानी करने वाले अफसरों से खफा हो जाते थे। पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों को इज्जत नहीं देने वाले कई अफसरों को उनकी नाराजगी भारी पड़ जाती थी।

लेक्चरर को बनाया विधायक

फतेहाबाद के रहने वाले वरिष्ठ नेता और पूर्व स्वर्गीय मंत्री चौधरी लीला कृष्ण के स्वर्गवास के बाद में हुआ उपचुनाव भी पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना रहा। उन्होंने चौधरी लीला कृष्ण की पुत्रवधू स्वतंत्र बाला चौधरी लीला कृष्ण की मृत्यु के बाद में उनकी पुत्रवधू प्रिंसिपल को विधायक बना दिया था। उन्होंने सामने मैदान में खड़े स्वर्गीय भजनलाल के भतीजे दुड़ाराम को पराजित किया था।

सरकार आपके द्वार की शुरुआत

संगठन और सरकार पर कड़ा नियंत्रण करने वाले मुख्यमंत्री के तौर पर जाने जाएंगे चौटाला। संगठन को खड़ा रखने, एकजुट रखने के काम में माहिर थे। अपनी सरकार के दौर में उन्होंने भाजपा के साथ चुनाव तो लड़ा लेकिन केंद्र में मंत्री नहीं बनवाया ना ही उन्होंने प्रदेश के अंदर भाजपा के विधायकों को मंत्री बनाया। कड़े प्रशासक के तौर पर चौटाला को जाना जाता था।

बेहतरीन वक्ता के तौर पर जाने जाएंगे

पूर्व सीएम स्वर्गीय ओमप्रकाश चौटाला बेहतरीन वक्ता के तौर पर जाने जाएंगे, अपने भाषणों के जरिये ग्रामीणों और शहरी लोगों के दिलों में स्थान बनाने वाले चौटाला गजब के मेहनती थे, थकने वाले सीएम नहीं थे, अहम बात यह थी कि रोजाना ही तारीख बदलकर सोते थे, अर्थात 12 बजे के बाद ही नींद लेते थे।कई प्रदेशों में उन्होंने इनेलो के विस्तार का प्रयास किया यूपी और राजस्थान में फैलाने का काम किया लेकिन सफलता नहीं मिली। यूपी मुजफ्फरनगर के हरेंद्र मलिक को राज्यसभा में भेजा लेकिन फायदा नहीं मिला।

पांच बार सीएम बने तीन बार छह माह से कम वक्त तक रहे

हरियाणा में भले ही स्वर्गीय चौटाला पांच बार सीएम रहे हैं। लेकिन तीन बार छह माह से कम वक्त मुख्यमंत्री रहे। चौटाला पहली बार 171 दिनों के लिए सीएम बने, दूसरी बार पांच दिनों के लिए, तीसरी बार 15 दिनों के लिए सीएम बने। इसके बाद में चौथी और पांचवी बार पांच साल 224 दिनों के लिए मुख्यमंत्री रहे। इस तरह से छह साल 50 दिन सीएम रहने का मौका उन्हें मिला। वे तीन पार्टियों के बैनर से सीएम बने। जिस वक्त चौधरी देवीलाल डिप्टी पीएम बने उसके बाद में चौटाला सामने आए थे।

परिवार की टूट के बाद पीड़ा में रहे चौटाला

पूर्व स्वर्गीय सीएम ओपी चौटाला परिवार में टूट हो जाने के बाद भयंकर पीड़ा में रहे लेकिन बोले कुछ भी नहीं और इनेलो के टूटने के बाद में जजपा बनी लेकिन सुलह नहीं हो सकी। भाजपा के साथ में साझीदार तो रहे और एनडीए में भी रहे लेकिन रिश्ते तल्खी भरे ही रहे। एक दूसरे के विरुद्ध सियासी लड़ाई पूरी लड़ते थे। पूर्व सीएम स्व: ओपी चौटाला एक दशक तक शिक्षक घोटाले में सजा हो जाने के बाद जेल में रहे लेकिन उनका हौसला नहीं गिरा और बाहर आने के बाद भी लगातार सक्रिय रहे।

हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और उर्दू के ज्ञाता थे चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के पांच बार मुख्यमंत्री रहे इनेलो सुप्रीमो चौ. ओम प्रकाश चौटाला ने शुक्रवार को अपने गुरुग्राम निवास पर अंतिम सांस ली। उनका जन्म चौटाला गांव में 1 जनवरी 1935 को हुआ था। चौ ओम प्रकाश चौटाला स्वर्गीय देवीलाल के सबसे बड़े बेटे थे। उनकी धर्मपत्नी स्नेह लता का स्वर्गवास अगस्त 2019 में हो गया था। उनकी तीन बेटियां और दो बेटे हैं। चौ ओम प्रकाश चौटाला 2 दिसंबर 1989 से 22 मई 1990, 12 जुलाई 1990 से 16 जुलाई 1990, 22 मार्च 1991 से 5 अप्रैल 1991, 24 जुलाई 1999 से 2 मार्च 2000 और 2 मार्च 2000 से फरवरी 2005 तक प्रदेश के 5 बार मुख्यमंत्री रहे। वे सात बार विधायक रहे और एक बार राज्यसभा के सांसद भी रहे। चौ. ओमप्रकाश चौटाला लंबे समय तक करीब 8 साल नेता प्रतिपक्ष भी रहे। इनेलो पार्टी का गठन करने में चौ ओमप्रकाश चौटाला का अहम योगदान रहा। इससे पहले स्वर्गीय ताऊ देवीलाल ने हरियाणा में अलग अलग पार्टियों से सरकार बनाई थी। चौ. ओम प्रकाश चौटाला हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और उर्दू के ज्ञाता थे। अपने राजनीतिक सफर में उन्होंने

अनेकों बार सत्तापक्ष सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और सत्ता विरोध के कारण कई बार जेल गए।

हरियाणा में लाए उद्योग

चंडीगढ़। हरियाणा में बड़े उद्योग भी चौ. ओम प्रकाश चौटाला के मुख्यमंत्री रहते ही लगे थे जिसमें मारूति सुजुकी और होंडा जैसी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों ने अपने उद्योग हरियाणा में लगाए थे। 2000 से 2005 तक चौ ओम प्रकाश चौटाला के मुख्यमंत्री रहते हरियाणा के इतिहास में एक मात्र समय ऐसा था जब हरियाणा सरप्लस स्टेट बना था। 2005 में जब इनेलो की सरकार गई तो हरियाणा का सरकारी खजाना लबालब भरा हुआ था और 3500 करोड़ रूपए खजाने में छोड़ कर गए थे जिसको बाद की सरकारों ने लूटने का काम किया और हरियाणा को कर्जाई बना दिया।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचएसआईआईडीसी	आईएमटी रोहतक में ग्रुप हाउसिंग साइट्स (जीएच) के निकट और नेशनल हाईवे नं. 10 के निकट ग्रीन बैल्ट में जॉगिंग ट्रैक का निर्माण और ग्रीन बैल्ट के चारों ओर चारदिवारी का निर्माण।	23.12.2024 01.01.2025	152.41 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9468254098 ia.rohtak@hsiidc.org.in
2	एचएसआईआईडीसी	आईई रोहतक में 4 अदद पम्प अर्टेंडेंट /ऑपरेटर्स की तैनाती द्वारा राउंड दि क्लॉक असैट्स के पहरे और देखरेख समेत 1 अदद बूस्टिंग स्टेशन तथा 3 एमएलडी डब्ल्यूटीपी की 1 वर्ष के लिए जलापूर्ति योजना का प्रचालन।	23.12.2024 30.12.2024	7.07 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9468254098 ia.rohtak@hsiidc.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2025/60/31200/I/88/6 दि. 20.12.24

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/ प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	डीएचबीवीएन	तीन वर्ष और जो आगे पारस्परिक सहमति पर दो वर्ष के लिए बढ़ाने योग्य हेतु डेटा सेंटर विद्युत नगर, डीएचबीवीएनएल हिसार में एसई कमर्शियल बैंक ऑफिस में रेवेन्यू ऑडिट में सहायता करने और वाणिज्यिक वित्तीय प्रविष्टियों का निष्पादन करने के लिए 22 अदद चार्टर्ड अकाउंटेंट्स सर्टिफाइड मैनेजमेंट के प्रावधान हेतु।	18.12.2024 10.01.2025	4.83 करोड़	www.dhbvn.org.in	8059960384 secbo@dhbvn.org.in
2	डीएचबीवीएन	डीएचबीवीएनएल के अधिकार क्षेत्र के अंदर टर्नकी आधार पर ओपी वृत्त डीएचबीवीएनएल, नारनौल के तहत 33 केवी सब स्टेशनं गोमला मोरी और ओपी वृत्त डीएचबीवीएनएल रेवाड़ी के तहत 3 अदद 33 केवी सब स्टेशनों नामतः रांसी माजरी और बिदावास के लिए सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और प्रचालन (सिविल कार्यों समेत)।	18.12.2024 08.01.2025	10 लाख	www.dhbvn.org.in	1662223216 cepdc@dhbvn.org.in
3	डीएचबीवीएन	आउटसोर्स आधार पर एक्सईएन ओपी डिवीजन, डीएचबीवीएन पलवल के तहत एसई ओपी वृत्त डीएचबीवीएन, पलवल और 2 अदद सतर्कता गतिविधि एसडीओ ओपी डिवीजन डीएचबीवीएन, पलवल हुडा सेक्टर-2 पलवल एसयू पलवल दीघोट चांदहुट एक्सईएन ओपी डिवीजन, डीएचबीवीएन, पलवल हेतु 9 अदद जीप बोलेरो कार हल्का वाहन के प्रावधान हेतु अनुभवी और अच्छी प्रतिष्ठित एजेंसियां ठेकेदार।	24.12.2024 15.01.2025	54000/-	https://etenders.hry.nic.in	8059888222 xenoppalwal@dhbvn.org.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2025/100/31195/I/88/6 दि. 20.12.24

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/ प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	यूएचबीवीएन	सिटी सब-डिवीजन कार्यालय यूएचबीवीएन गन्नौर में प्रिकास्ट प्लेट्स और प्रिकास्ट पिल्लर्स सहित चारदिवारी का निर्माण।	बंद होने की तिथि 30.12.2024	6.86 लाख	https://etenders.hry.nic.in TENDERNO-50/CCR/2024-25	9991480086 xenciviluhbvnrohtak@gmail.com
2	यूएचबीवीएन	डिवीजनल स्टोर झज्जर में सीमेंट कंक्रीट पेवमेंट का प्रावधान व बिछाना।	बंद होने की तिथि 30.12.2024	21.27 लाख	https://etenders.hry.nic.in TENDERNO-49/CCR/2024-25	9991480086 xenciviluhbvnrohtak@gmail.com
3	यूएचबीवीएन	एसई 'ओपी', वृत्त यूएचबीवीएन ए/सिटी के परिसर में रैम्प, मोटर सहित सम्प पिट, ड्रेन, टो वॉल, एल्यूमीनियम कार्य और अन्य सिविल कार्यों का निर्माण।	बंद होने की तिथि 30.12.2024	19.22 लाख	https://etenders.hry.nic.in TENDERNO-103/2024-25/HEWP	9356063248 xenciviluhbvnpanchkula@gmail.com
4	यूएचबीवीएन	बहुमंजिला कार्यालय भवन कुरुक्षेत्र का वार्षिक रखरखाव।	बंद होने की तिथि 30.12.2024	5.46 लाख	https://etenders.hry.nic.in TENDERNO-102/2024-25/HEWP	9356063248 xenciviluhbvnpanchkula@gmail.com
5	यूएचबीवीएन	एनआरबी वृत्त कार्यालय अम्बाला सिटी का वार्षिक रखरखाव।	बंद होने की तिथि 30.12.2024	2.12 लाख	https://etenders.hry.nic.in TENDERNO-101/2024-25/HEWP	9356063248 xenciviluhbvnpanchkula@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2025/100/31206/I/88/6 दि. 20.12.24

चौटाला का गढ़ रहा है जींद जिला, यहीं से सीएम बने

पूर्व सीएम स्व. ओमप्रकाश चौटाला की राजनीतिक कर्मस्थली रहा जींद

सतेंद्र पंडित ▶▶| जींद

जींद जिला पूर्व सीएम स्व. चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की राजनीति का बड़ा गढ़ रहा है। जीद जिले को उनकी राजनीतिक कर्मभूमि के रूप मे जाना जाता रही। उनकी लोकप्रियता का ग्राफ हमेशा जिले के लोगों के सिर पर चढ़ कर बोलता रहा है। प्रदेश के राजनीतिक धुरंधरों को चुनौती भी जींद से देते रहे हैं। आलम यह है कि यहां से ओमप्रकाश चौटाला की पार्टी चुनाव जीत कर विधानसभा में दस्तक देती रही है। खुद ओमप्रकाश चौटाला की बात करें तो जींद जिले में पहली बार उन्होंने 1993 में नरवाना विधानसभा उप चुनाव में ताल ठोकी और जीत दर्ज की थी। 1996 के आम चुनाव में वह चुनाव हार गए थे, वर्ष 2000 के विस चुनाव में उन्होंने दोबारा से यहां से जीत दर्ज की और हरियाणा के मुख्यमंत्री बने।

वर्ष 2005 के विस चुनाव में उन्हें फिर से यहां से हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2009 मे नरवाना सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई थी। जिसके बाद उन्होंने 2009 में उचाना विस से ताल ठोकी और जीत भी दर्ज की। जिसके बाद उन्हें जेबीटी टीचर भर्ती मामले में 10 साल की कैद की सजा सुना दी गई और उचाना विस से उनके पौत्र दुष्यंत चौटाला मैदान में आए। जींद जिला इनेलो की राजनीति की धूरी के रूप में रहा है। इस जाटलैंड पर उनका एकछत्र साम्राज्य रहा है। जिले की सभी पांच विधानसभा सीटों पर उन्होंने एक से अधिक बार जीत दर्ज की है। ओम प्रकाश चौटाला का जींद से खासा लगाव रहा है। भाजपा के साथ गठबंधन में जब जींद की सीट भाजपा को चली गई तो इनेलो ने जींद से अपने चुनाव निशान पर उम्मीदवार को मैदान में उतार दिया। बाद में राजनीतिक दबाव में उन्होंने अपने उम्मीदवार को पार्टी से निष्कासित भी किया लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाई। ओमप्रकाश चौटाला सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही मौके पर जींद में अक्सर आते रहे हैं। कितने ही कार्यकर्ताओं को वह नाम से जानते थे और नाम से पुकारते भी थे।

राजनीति में हलचल पैदा कर देते थे

ओमप्रकाश चौटाला को हरियाणा की राजनीति में हलचल पैदा करने वाला नेता भी माना जाता है। वह अक्सर अपने बोल्ड फैसलों के लिए जाने जाते हैं। वह जेल जाने के बावजूद अक्सर कहा करते थे कि अगर कार्यकर्ताओं के काम करने और जनता को सुख सुविधा देने के लिए उन्हें जेल जाना पड़ता है तो वह ऐसी जेल जाने के लिए हमेशा तैयार हैं। स्व. ओमप्रकाश चौटाला के साथ काम कर चुके नेताओ का कहना है कि ओमप्रकाश चौटाला अपने कार्यकर्ताओ को हमेशा नाम से पुकारते थे। नाम तथा फोन नबर उनके दिमाग मे फिड रहते थे। एक बार उनके पीए से डायरी कहीं इधर-उधर रखी गई।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा करनाल	जल सेवाएं यांत्रिकी उपमंडल जीन्द में उरलाना हैड और मोर माजरा हैड के गेट्स एवं गियरिंग सिस्टम की पेंटिंग + 2 अन्य कार्य।	20.12.2024 30.12.2024	ईएमडी 7330/-	https://etenders.hry.nic.in	9991831221 xen-wsmkrl.irr@gov.in
2	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार नूह	एसएचकेएम जीएमसी नल्हार नूह में लॉंड्री सेवाओं के प्रावधान हेतु निविदा।	24.12.2024 21.01.2025	10000/-	https://etenders.hry.nic.in	1267282007 tendergmcmewat@gmail.com
3	पंचायती राज कलायत कैथल	गांव बट्टा में नाथुआन में मेन गली से एससी चौपाल तक आईपीबी गली का निर्माण + 2 कार्य।	18.12.2024 25.12.2024	11.81 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9818649979 KALAYATSDOPR@GMAIL.COM
4	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा नारनौल	रामपुरा सब माइनर के कि.मी. 5.800 पर पम्प हाउस आरपीएम-1 और स्विच रूम की मरम्मत + 2 कार्य।	बंद होने की तिथि 26.12.2024	24.19 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01282-251214 xen-wsnrl.irr@gov.in
5	स्वास्थ्य विभाग हरियाणा मण्डीखेड़ा मेवात	स्वास्थ्य विभाग, नूह (मेवात) हेतु औषधियां, कंज्यूमेबल, डिस्पोजेबल मदें इत्यादि।	19.12.2024 26.12.2024	ईएमडी 200000/-	https://etenders.hry.nic.in	9417560524 dhs.csmwt@hry.nic.in
6	लोनिवि भ व प हिसार	फतेहाबाद जिले में कि.मी. 19.700 से 47.375 तक भुना से फतेहाबाद रोड (एसएच2) तक रोड को चौड़ा करना और मजबूतीकरण (रोड आईडी 5367 और 5545) (फतेहाबाद निर्वाचन क्षेत्र) (भुना चौक (फतेहाबाद सिटी में) से एनएच-9 ओवरब्रिज लम्बाई लगभग 2.4 किमी.) (स्ट्रीट लाइट्स का प्रावधान केवल)।	18.12.2024 07.01.2025	59.04 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
7	पंचायती राज पिंजौर, पंचकूला	रत्तपुर वार्ड नं. 23- रत्तपुर कॉलोनी वार्ड नं. 23 पिंजौर पंचकूला में हॉल का निर्माण + 5 कार्य।	19.12.2024 26.12.2024	42.29 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466110204 kumar.satish.9417@gmail.com
8	पंचायती राज कैथल	गांव कठवाड़ में सामुदायिक केन्द्र के मुख्य द्वार का पुनर्निर्माण + 2 कार्य।	19.12.2024 26.12.2024	16.94 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9050228730 kaithalsdopr@gmail.com
9	बीपीएस जीएमसी फॉर वीमन खानपुर कलां सोनीपत	बीपीएस जीएमसी फॉर वीमन खानपुर कलां सोनीपत में इंज हैलोपेरीडॉल और अन्य के प्रावधान हेतु निविदा।	21.12.2024 02.01.2025	20000/-	https://etenders.hry.nic.in	9728972827 bpsgmc.purchase@gmail.com
10	पंचायती राज सिरसा	ताजियाखेड़ा - गांव ताजियाखेड़ा, ब्लॉक नाथुसरी चोपटा, जिला सिरसा में मंदिर से कुसुम्भी रोड तक ड्रेन (पीवीसी पाइप लाइन) का निर्माण (वीएएनजीवाई) + 7 कार्य।	19.12.2024 26.12.2024	102.88 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1666247479 prexeeng.srs@hry.nic.in
11	पंचायती राज सोनीपत	गांव शेखुपुरा, ब्लॉक गन्नौर डिवीजन, सोनीपत में चारदिवारी (व्यायामशाला) का निर्माण, स्कीम का नाम डी प्लान डिवीजन, सोनीपत।	बंद होने की तिथि 27.12.2024	9.19 लाख	https://etenders.hry.nic.in	7015771521 sdoprganaur1@gmail.com
12	पंचायती राज कैथल	गांव धुंदवा में ई-लाइब्रेरी की स्थापना।	18.12.2024 23.12.2024	16.43 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1746234748 prexeeng.Ktl@hry.nic.in
13	पंचायती राज कैथल	कैथल जिले में ग्रुप-4 गांव मेवली, ढांड, ट्योंठा, ब्लॉक ढांड, पुण्डरी में जीवीडी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण।	18.12.2024 23.12.2024	22.56 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1746234748 prexeeng.Ktl@hry.nic.in
14	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हार नूह	एसएचकेएम जीएमसी, नल्हार, नूह में पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशिप के माध्यम से 10 बिस्तर वाले कार्डियक केयर यूनिट और कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी सहित सुपर-स्पेशियलिटी इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी सेवाएं।	24.12.2024 08.01.2025	18 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1267282007 tendergmcmewat@gmail.com
15	लोनिवि भ व प करनाल	हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सोनीपत के क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यालय भवन का निर्माण (सब स्टेशन, डीजी सैट और सोलर पावर प्लांट का प्रावधान केवल)।	20.12.2024 26.12.2024	37.19 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-karnal@hry.nic.in
16	पंचायती राज फतेहाबाद	सानियाना - बस क्यू शैल्टर, ब्लॉक टोहाना का निर्माण, जैडपी।	19.12.2024 27.12.2024	2.23 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1667230855 prexeeng.ftb@hry.nic.in
17	पंचायती राज सोनीपत	गांव गुहणा पंचायत समिति में राजपाल पुत्र हरिसिंह के खेत से मनबीर पुत्र पृथी के खेत तक बीओई का निर्माण।	बंद होने की तिथि 26.12.2024	19.83 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9996001199 vijaypal2315@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2025/340/31214/I/88/6 दि. 20.12.24

रोहतक, शनिवार 21 दिसंबर 2024 ■ पौष मास कृष्ण पक्ष-06 ■ वर्ष : 28, अंक : 326 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 3.00 मौसम अधि. 21.3 , न्यून. 5.6 haribhoomi.com

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बाजार का हाल

मार्केट	बंद	गिरावट
सेंसेक्स	78,041.59	1176.46 ▼
निफ्टी	23,587.50	364.20 ▼

धातु	कीमत	गिरावट
सोना	78,130 /-	170/- ▼
चांदी	88,150/-	1850/- ▼

(सोना प्रति 10 ग्राम और चांदी प्रति किलो रु. में)

मुद्रा	प्रति डॉलर	ऊपर/नीचे
रुपया	85.03	10 पैसे ▲
क्रूड ऑयल	72.18/ बैरल	0.96% ▼

पेट्रोल दिल्ली में 94.72 रु. लीटर और डीजल 87.62 रु. लीटर बिक रहा है।

पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला का निधन

जन्म : 1 जनवरी, 1935, निधन : 20 दिसंबर, 2024

चंडीगढ़/गुरुग्राम (ब्यूरो)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अध्यक्ष एवं हरियाणा के पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला का शुक्रवार को गुरुग्राम में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। पार्टी प्रवक्ता ने बताया कि 5 बार मुख्यमंत्री रहे और पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल के बेटे चौटाला को गुरुग्राम में उनके घर में दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बचाया नहीं जा सका। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने मेदांता अस्पताल में दोपहर 12 बजे अंतिम सांस ली। चौटाला पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे थे। पूर्व सीएम का पार्थिव शरीर सिरसा स्थित तेजा खेड़ा गांव में उनके फार्म हाउस पर लाया गया है। यहां शनिवार सुबह 8 से 2 बजे तक उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद 3 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अंतिम संस्कार आज, प्रदेश में तीन दिन का राजकीय शोक, एक दिन की छुट्टी घोषित

तेजा खेड़ा फार्म पर अंतिम दर्शन आज

- गुरुग्राम में 89 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ा
- पांच बार प्रदेश के सीएम रहे, शिक्षक भर्ती घोटाले में तिहाड़ जेल गए
- 86 साल की उम्र में जेल से ही 10वीं-12वीं पास की

1935 को जन्मे

- एक जनवरी, 1935 को जन्मे ओम प्रकाश चौटाला पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल की पांच संतानों में सबसे बड़े थे। चौटाला ने प्राथमिक शिक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी।
- 2013 में जब चौटाला शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में तिहाड़ जेल में बंद थे, तब उन्होंने 82 साल की उम्र में 10वीं और फिर 12वीं की परीक्षा पास की। शिक्षक भर्ती घोटाले में उन्हें 2013 में जेल भेजा गया था व 2021 में रिहा किया गया।
- पूर्व सीएम के छोटे बेटे अभय चौटाला इनेलो के वरिष्ठ नेता हैं, जबकि बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला, जो पूर्व सांसद हैं, जननायक जनता पार्टी (जजपा) के प्रमुख हैं।

पूर्व सीएम चौटाला के निधन पर हरियाणा सरकार ने 21 से 23 दिसंबर तक 3 दिन का राजकीय शोक और शनिवार को एक दिन का अवकाश घोषित कर दिया है। चौटाला का राजकीय सम्मान के साथ शनिवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

निधन से अत्यंत दुःखी

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला जी के निधन से अत्यंत दुःख हुआ है। प्रदेश की राजनीति में वह वर्षों तक सक्रिय रहे और चौधरी देवीलाल जी के कार्यों को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।'

विनम्र श्रद्धांजलि : सैनी

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा इनेलो सुप्रीमो एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का निधन अत्यंत दुःखद है। मेरी ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

युग का अंत : कै. अभिमन्यु

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि इनेलो सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री प्रखर वक्ता ओमप्रकाश चौटाला के निधन का समाचार बेहद दुःखद है। उनका निधन हरियाणा राजनीति के लिए न सिर्फ दुःखद है, बल्कि एक युग का अंत है।

खबर संक्षेप

उस्ताद जाकिर हुसैन सुपुर्द-ए-खाक

न्यूयॉर्क। प्रसिद्ध तबला वादक जाकिर हुसैन को सैन फ्रांसिस्को में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। प्रसिद्ध तालवादक ए. शिवमणि और अन्य कलाकारों ने कुछ दूरी से तबला वादक को संगीतमय विदाई दी। दुनिया के सबसे बेहतरीन तबला वादकों में से एक हुसैन का फेफड़ों की बीमारी के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया था। भाषा

राहुल को पूछताछ के लिए बुलाएगी पुलिस!

नई दिल्ली। संसद परिसर में हुई धक्का-मुक्की के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मामला दर्ज होने के एक दिन बाद, सूत्रों ने बताया कि पुलिस घटना में घायल दो सांसदों के बयान दर्ज कर सकती है और विपक्षी नेता को पूछताछ के लिए भी बुला सकती है। मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। राहुल के खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया गया था। बता दें कि धक्का-मुक्की में भाजपा के दो सांसद घायल हुए थे। भाषा

पंजाब सरकार व डॉक्टर्स डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करवाने पर फैसला लें

सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह पंजाब सरकार की जिम्मेदारी

उन्हें अभी तक अस्थायी अस्पताल में शिफ्ट क्यों नहीं किया गया

पंजाब के एजी गुरमिंदर सिंह ने डल्लेवाल के स्वास्थ्य पर रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली (भाषा)। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर 25 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन सुनवाई हुई। पंजाब सरकार के अटॉर्नी जनरल (एजी) गुरमिंदर सिंह ने डल्लेवाल के स्वास्थ्य से जुड़ी अपडेट रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डल्लेवाल को मोर्चे के पास बनाए अस्थायी अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। इस पर सरकारी वकील का कहना है कि किसान नेता के सारे टेस्ट किए गए हैं। उनका स्वास्थ्य अभी स्थिर है। सरकार से निर्देश लेकर और किसानों की अनुमति से उन्हें शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट डल्लेवाल के अस्पताल में भर्ती होने का फैसला पंजाब सरकार के अधिकारियों और चिकित्सकों पर छोड़ दिया।

यह की टिप्पणी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि डल्लेवाल के स्वास्थ्य की देखभाल करना पंजाब सरकार की जिम्मेदारी है, जो 25 दिनों से अनशन पर हैं। न्यायालय ने पंजाब के मुख्य सचिव और स्वास्थ्य अधिकारियों से डल्लेवाल की चिकित्सा स्थिति पर दो जनवरी तक रिपोर्ट मांगी है और कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो राज्य सरकार अदालत का रुख कर सकती है।

यह भी कहा अदालत ने

पीठ ने कहा कि 70 वर्षीय डल्लेवाल को पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर प्रदर्शन स्थल से 700 मीटर के दायरे में स्थापित एक अस्थायी अस्पताल में स्थानांतरित किया जा सकता है। पंजाब सरकार के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने किसान नेता के स्वास्थ्य की स्थिति पर मुख्य सचिव को एक हलफनामा सौंपा और कहा कि डल्लेवाल को जबरन उस स्थान से हटाने से उन्हें आघात पहुंच सकता है तथा स्थिति और बिगड़ सकती है। पीठ ने कहा कि अधिकारी उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए मनाने के अपने प्रयास जारी रख सकते हैं।

राजस्थान में भीषण हादसा, 200 फीट ऊंची लपटें उठीं

टैंकर में 18 टन गैस थी, 33 लोग बुरी तरह झुलसे बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

ट्रक से टक्कर के बाद एलपीजी टैंकर में ब्लास्ट, 12 जिंदा जले

जयपुर (भाषा)। राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार तड़के एक ट्रक ने एलपीजी टैंकर को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में 12 लोग जिंदा जल गए और लगभग 35 झुलस गए। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। आग की चपेट में 40 वाहन भी आए हैं। घायलों को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर शोक जताया। मोदी ने सीएम भजनलाल शर्मा से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस भीषण हादसे से डेढ़ किलोमीटर तक का इलाका थर्रा उठा। जयपुर-अजमेर हाईवे पर एक ट्रक से टकराने के बाद टैंकर में मौजूद 18 टन गैस ने आग पकड़ ली और इतनी जोर से धमाका हुआ कि 200 मीटर का एरिया आग का गोला बन गया। आसमान में उड़ रहे पंछी भी झुलसकर मर गए। टैंकर से उठी आग ने आसपास की करीब 40 गाड़ियों को चपेट में ले लिया, जिसमें एक स्लीपर बस भी शामिल है। इस बस में 34 लोग सवार थे। बस टैंकर से बिल्कुल पीछे चल रही थी। हादसा इतना भीषण था कि दोपहर तक फायर ब्रिगेड गाड़ियां आग बुझाती रही।

दुःखद

आसपास करीब 40 गाड़ियों को चपेट में लिया

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी और मुख्यमंत्री शर्मा ने शोक जताया

अधजली हालत में इधर उधर भागे लोग

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगते ही लोग गाड़ियों से उतरकर इधर-उधर भागे। कई लोगों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और वे जिंदा जल गए। जो बाहर निकले, वे जलते हुए कपड़ों के साथ सड़क पर इधर-उधर भागने लगे। आसपास के लोगों ने उन्हें संभाला और अलग-अलग गाड़ियों से सवाई मान सिंह अस्पताल भेजा।

ऐसे हुआ हादसा

भारत पेट्रोलियम का एलपीजी गैस से भरा टैंकर अजमेर से जयपुर की ओर आ रहा था। सुबह करीब 5.44 बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने से वह वापस अजमेर की ओर यू-टर्न ले रहा था। तभी जयपुर से आ रहा ट्रक उससे भिड़ गया। गेल इंडिया लिमिटेड के डीजीएम सुशांत कुमार सिंह ने बताया कि टक्कर के कारण टैंकर में लगे 5 नोजल टूट गए और आग भड़क उठी।

मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। वहीं राज्य सरकार ने 5-5 लाख रुपये देने का ऐलान किया है। घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे। सीएम भजनलाल शर्मा, डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा तथा गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह मौके पर पहुंचे।

फतेहाबाद में मुठभेड़, जठेड़ी गैंग के 2 बदमाश मार गिराए

एक पुलिसकर्मी को लगी गोली, दोपहर में हुई मुठभेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव बड़ोपल के पास स्थित एक ढाबे पर शुक्रवार दोपहर एक कैदी को छुड़ाने आए जठेड़ी गैंग के बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें दो बदमाश मारे गए, जबकि पुलिस के एक जवान को भी गोली लगी है। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। मरने वालों में जठेड़ी गैंग का सदस्य कैदी रवि और उसकी बुआ का लड़का अंकित शामिल हैं। फरीदाबाद पुलिस की टीम अपराधी को फतेहाबाद कोर्ट में पेश कर वापस ले जा रही थी, तभी बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। फतेहाबाद पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों बदमाशों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मारे गए हमलावर के पास मिर्च पाउडर के पैकेट मिले हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उनका मकसद कैदी को छुड़ाने का था।

बड़ोपल स्थित ढाबा

पेशी पर लाए कैदी रवि को छुड़ाने साथियों संग आया बुआ का लड़का

■

जवाबी फायरिंग में दोनों मारे गए मरने वालों में कैदी और हमलावर

रवि पर 24 केस दर्ज

फतेहाबाद की एसपी आस्था मोदी ने बताया कि जठेड़ी गैंग के सदस्य रवि पर 28 केस दर्ज थे। शुक्रवार को उसकी बुआ का लड़का अंकित अपने साथियों के साथ रवि को पुलिस की कस्टडी से छुड़वाने आया था, लेकिन मुठभेड़ में दोनों मारे गए।

तीसरा बदमाश भी दबोचा

बड़ोपल से भागे तीसरे बदमाश को सीआईए टीम फतेहाबाद ने आदमपुर में घेर लिया। पुलिस से घिरा देख उसने खुद को गोली मार ली। गोली उसके कंधे के पास लगी, जिससे वह घायल हो गया। हालांकि उसकी जान बच गई। उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज भर्ती करवाया है।

फरीदाबाद की जेल में बंद था रवि

शस्त्र अधिनियम के मामले में फरीदाबाद पुलिस जेल में बंद जठेड़ी गैंग के रवि नामक कैदी को पेशी के लिए शुक्रवार को फतेहाबाद कोर्ट लाई थी। कोर्ट में पेशी के बाद जब वे वापस लौट रहे थे तो गांव बड़ोपल के पास स्थित टॉप फैमिली ढाबे पर पुलिस कर्मचारियों ने लघुशंका के लिए गाड़ी रोक दी। बताया जा रहा कि इस दौरान रवि की बुआ का लड़का अंकित निवासी रोहतक अपने 3-4 साथियों के साथ गाड़ी में सवार होकर पहुंचा और 32 बोर की पिस्तौल से पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। अंकित द्वारा चलाई गई गोली फरीदाबाद पुलिस के कर्मचारी सुरजीत को लगी। वह घायल हो गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी बदमाशों पर फायरिंग की। इसमें अंकित के सिर में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रवि घायल हो गया। उसे फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया। घायल पुलिस कर्मचारी सुरजीत का इलाज चल रहा है। मुठभेड़ में मारा गया कैदी सोनीपत जिले के गांव जागसी का रहने वाला था।

संदिग्ध लेन-देन: सोनीपत के भुर्री व शहजादपुर गांव में एनआईए के छापे

गन्नौर/सोनीपत (हरिभूमि न्यूज)। लखनऊ से आई राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की दो टीमों ने भुर्री एवं शहजादपुर गांव में छापेमारी की। छापेमारी में संपत्ति और संदिग्ध लेन-देन के मामलों को लेकर की गई। गांव भूर्री में टीम ने पूर्व सरपंच प्रेम के पुत्र योगेश व बिंदुराम के घर छापा मारा। योगेश व उसके छोटे भाई बिंदुराम गुरुग्राम में काम करते हैं। उनके पास करोड़ों की बेनामी संपत्ति होने की सूचना थी। वहीं, गांव शहजादपुर में एनआईए टीम ने हिमांशु के घर छापेमारी की गई। हिमांशु के पिता किराना कारोबारी हैं। हिमांशु के खातों में भी मोटे रुपये जमा हैं। दोनों स्थानों पर एनआईए की टीमों ने दस्तावेज खंगालने के साथ ही परिवार के सदस्यों से पूछताछ भी की। करीब 4 घंटे की कार्रवाई के बाद टीमें दोनों घरों से जरूरी दस्तावेज कब्जे में लेकर रवाना हो गई।

गैंग से तार जुड़ने की आशंका

एनआईए की यह कार्रवाई उन गैंगों से जुड़ी होने की आशंका है जो व्यापारियों से रंगदारी मांगने और अवैध तरीके से धन जमा करने में सक्रिय हैं। गैंग के सदस्य अपने करीबी लोगों के खातों में रकम ट्रांसफर करवाते थे। भुर्री के योगेश व बिंदुराम, शहजादपुर गांव के हिमांशु के भी तार गैंग से जुड़े होने कारण यह छापेमारी की गई है।

घर वाले बोले, जानकारी नहीं

योगेश व बिंदुराम के पिता प्रेम गांव के पूर्व सरपंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि छापेमारी के कारणों को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं है। एनआईए की टीम ने भी उन्हें जानकारी नहीं दी।

भाजपा सांसद पीपी चौधरी को बनाया समिति का अध्यक्ष

समिति में लोस के 27 और रास के 12 सांसद शामिल

एक देश, एक चुनाव के लिए 39 सदस्यीय जेपीसी गठित

नई दिल्ली (भाषा)। देश में संसदीय और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयक पर विचार के लिए संसद ने शुक्रवार को 39 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन कर दिया। इसके अध्यक्ष भाजपा सांसद पीपी चौधरी को बनाया गया है। समिति में राज्यसभा से 12 और लोकसभा के 27 सदस्य शामिल हैं। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को संसद की संयुक्त समिति के विचार के लिए भेजे जाने का प्रस्ताव रखा था, जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई।

राजग के कुल 22 और इंडिया गठबंधन के 10 सदस्य

राज्यसभा ये सांसद शामिल

भाजपा : घनश्याम तिवाड़ी, मुनेश्वर कालिता, के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, **जनता दल (यू)** : के संजय झा, **कांग्रेस** : रणदीप सुरजेवाला और मुकुल वासनिक **टीएमसी** : साकेत गोखले **डीएमके** : केपी विल्सन **आप :** संजय सिंह **बीजद :** मानस रंजन मंगराज **वाईएसआर कांग्रेस :** केवी विजय साई रेड्डी

लोकसभा सदस्य

भाजपा : पीपी चौधरी, सीएम रमेश, बांसुरी, पुरुषोत्तम रुपाला, अनुराग ठाकुर, विष्णु दयाल शर्मा, भर्तृहरि महताब, संबित पात्रा, अनिल बलूनी, विष्णु दत्त शर्मा, बैजयंत पांडा और संजय जायसवाल। **कांग्रेस :**प्रियंका गांधी, मनीष तिवारी और सुखदेव भगत। **सपा :** धर्मेंद्र यादव और छोटेलाल। **टीएमसी :** कल्याण बनर्जी **द्रमुक :** टी एम सेल्वागणपति **तेदेपा :** हरीश बालयोगी **शिवसेना (उबाठा)** अनिल देसाई **राकांपा:** (एसपी) सुप्रिया सुले **शिवसेना :** श्रीकांत शिंदे **लोजपा :** (रामविलास) शांभवी **माकपा :** केके. राधाकृष्णन **रालोद :** चंदन चौहान **जसेपा :** बालाशौरी वल्लभनेनी। ***समिति को बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है।***

खबर संक्षेप

पुरानी पेंशन की मांग को लेकर शुरू होगा आंदोलन

चंडीगढ़। ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने केंद्र सरकार द्वारा आठवें पे कमीशन के गठन, पुरानी पेंशन बहाली और ठेका संविदा कर्मियों को नियमित करने से स्पष्ट इंकार करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। फेडरेशन लंबित मांगों को लेकर नववर्ष में नए सिरे से पुनः राष्ट्रव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया है।

इग्नू में दाखिले की अंतिम तिथि 31 जनवरी

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय में स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र के असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतपाल ने बताया कि इग्नू, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में जनवरी 2025 सत्र में दाखिलों की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 है। इग्नू अध्ययन केंद्र राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा के स्टाफ सदस्यों ने जनवरी 2025 सत्र में दाखिला लेने के लिए महाविद्यालय के प्रांगन में छात्राओं को दाखिले के लिए प्रेरित करने का विशेष अभियान चलाया।

युवक को हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत टोहाना पुलिस ने बुलेट सवार एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए टोहाना पुलिस की टीम एएसआई सुरेन्द्र के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। पुलिस ने जब युवक की तलाशी ली तो उसके पास से 6.58 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

सजोबा विंटर बॉल कार्यक्रम आज

पंचकूला। सेंट जॉन्स ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन (सजोबा) का वार्षिक पूर्व छात्र मिलन समारोह, बहुप्रतीक्षित सजोबा विंटर बॉल 2024, 21 दिसंबर, 2024 को होने वाला है। यह भव्य कार्यक्रम शिवालिक कंट्री क्लब, सेक्टर 1, पंचकूला में शाम 7 बजे से शुरू होगा। ट्राइसिटी क्षेत्र में सबसे अधिक मांग वाले समारोहों में से एक के रूप में प्रसिद्ध यह कार्यक्रम, भव्यता, सौहार्द और पुरानी यादों से भरी शाम का वादा करता है। इस शानदार पुनर्मिलन में 1000 से अधिक स्टाइलिश कपड़े पहने पूर्व छात्र की अपने साथियों के साथ शामिल होने की उम्मीद है। सजोबा अध्यक्ष हरपाल सिंह मलवई ने कहा विंटर बॉल एक लोकप्रिय परंपरा है, जो भाईचारे के बंधन का जश्न मनाती है।

प्रदेश में नशे का नेक्सस तोड़ने की कवायद तेज

4652 नशा तस्करों को पहुंचाया सलाखों के पीछे, 3051 आरोपियों पर केस दर्ज

- नशा तस्करी संबंधी 411 मुकदमे वाणिज्यिक मात्रा के 1808 मध्यवर्ती तथा 832 कम मात्रा के दर्ज किए गए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

प्रदेश में नशे के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो तथा जिला पुलिस द्वारा प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान से नेक्सस तोड़ने की मुहिम जारी है। इस कड़ी में 1 जनवरी 2024 से 30 नवंबर 2024 तक प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ 3051 मुकदमे दर्ज करते हुए 4652 आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है। आदतन अपराधियों पर सख्ती करते हुए पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत वर्ष-2024 में 63 नशा तस्करों के खिलाफ निवारक निरोध की कार्यवाही की गई। डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने बताया कि इस क्रम में प्रभावी रणनीति तैयार की है। वर्ष-2023 में हरियाणा पुलिस द्वारा कमर्शियल क्वांटिटी के 326 मुकदमे दर्ज किए गए थे जबकि वर्ष-2024 में 411 मुकदमे दर्ज किए हैं जिनमें 841 बड़े नशा तस्करों पर कार्यवाही की गई है। बड़े मामलों में तेजी लाने के लिए फॉरेंसिक साइंस लैब से रिपोर्ट आने की समय सीमा को घटाकर 15 दिन किया है। गांव में 5150 ग्राम प्रहरी तथा वार्ड प्रहरी नियुक्त किए हैं और ग्राम प्रहरियों तथा वार्ड प्रहरियों द्वारा गांव में नशा बेचने वाले लोगों पर नजर रखी जाती है। इस वर्ष छोटी मात्रा के एनडीपीएस मामलों में 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस अभियान के तहत समुदाय को जागरुक करते हुए छोटे अपराधियों को नशा छोड़ने को प्रेरित किया।

राज्य नशामुक्त हो, पुलिस दृढ़ संकल्पित: डीजीपी

चंडीगढ़। डीजीपी शत्रुजीत कपूर के मार्गदर्शन और हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के प्रमुख ओपीसिंह, आईपीएस पुलिस महानिदेशक के नेतृत्व में समूचे हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए हरियाणा राज्य के विभिन्न जिलों से आदतन 9 नशा तस्करों की सूची तैयार कर राज्य सरकार को भेजी है ताकि उनको अगले 1 साल के लिए नजरबंद कर नशे पर लगाम कसी जा सकें। हरियाणा राज्य नशामुक्त व भयमुक्त हो इसके लिए हरियाणा पुलिस दृढ़संकल्पित है।

पानीपत के पास मावी बैराज का निर्माण जल्द हो: श्रुति चौधरी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण से पानीपत के पास मावी बैराज का निर्माण करवाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस बैराज से राजस्थान को पानी की उपलब्धता हथिनी कुंड बैराज से भी ज्यादा करवाई जा सकती है और इससे हरियाणा को भी अतिरिक्त पानी मिल सकेगा। श्रुति चौधरी ने यह मांग केन्द्रीय राज्य जल शक्ति मंत्री राज भूषण चौधरी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई 38वीं वार्षिक अंतर्राज्यीय नदी जोड़ बैठक में की। सिंचाई मंत्री ने बताया कि यमुना नदी हरियाणा से होकर बहती है और यहां पानी संग्रहण की कोई व्यवस्था नहीं है।

शास्त्रों से सरस्वती नदी संबंधी श्लोक किए जाएंगे पुस्तक में संकलित

चंडीगढ़। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड उपाध्यक्ष धुमन सिंह किरमच ने कहा कि अब पौराणिक शास्त्रों, वेदों और अन्य मान्य ग्रंथों से सरस्वती नदी के सम्बन्ध में लिखे गए श्लोकों को एक पुस्तक में संकलित किया जाएगा। सरस्वती नदी के किनारे ऐतिहासिक साइट के डाटा को भी एकत्रित करने के लिए एक पुरातत्ववेता को शोध केन्द्र के साथ जोड़ा गया है। बोर्ड की तरफ से शोध केन्द्र के साथ 3 नए सदस्यों को जोड़ा गया है। किरमच कुवि में हरियाणा सरस्वती शोध केन्द्र में एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। निदेशक डा. एआर चौधरी एवं अन्य के के साथ कुरवि शोध केन्द्र के विस्तार और सरस्वती महोत्सव को लेकर होने वाले अंतरराष्ट्रीय सेमिनार पर चर्चा की।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Dr. Gagandeep Kaur Singh
Principal Judge Family Court, Karnal
Rubin
Vs.
Savita
HMA 846/2023
CNR No. HRKR01-009209-2023
Next Date : 13.02.2025
PUBLICATION ISSUED TO :-
Savita daughter of Subhash Chand R/o 24-G, Ward No. 14, Rural Part (47) Anjanthali Road, Taraori, Pin 132116, District Karnal
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) **Savita daughter of Subhash Chand R/o 24-G, Ward No. 14, Rural Part (47) Anjanthali Road, Taraori, Pin 132116, District Karnal** could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **13.02.2025 at 10:00 a.m.**
For cetails logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Karnal
Sd/- Dr. Gagandeep Kaur Singh
Principal Judge Family Court, Karnal
Dated, this day of 16.12.2024

बाल स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य, सामुदायिक प्रक्रिया एवं शहरी स्वास्थ्य पर चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| पंचकूला

एनएचएम, हरियाणा के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) कार्यक्रमों के लिए पंचकूला में एक दिवसीय अभिसरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न हितधारक विभागों, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, सर्व शिक्षा अभियान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता (एसजेई) और पंचायती राज संस्थाओं के बीच संबंधों को मजबूत करना था ताकि इन प्रमुख कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सहयोगात्मक प्रयास सुनिश्चित किए जा सकें। कार्यशाला में जिलों और प्रमुख हितधारक विभागों से उप सिविल सर्जन आरबीएसके और आरकेएसके ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले ऊर्ध्वाधर कार्यक्रमों जैसे बाल स्वास्थ्य, मातृ स्वास्थ्य, सामुदायिक प्रक्रिया, शहरी स्वास्थ्य, राष्ट्रीय बधिरता निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीपीसीडी), राष्ट्रीय अंधत्व और दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबीवीआई), एनएलईपी, एनटीईपी और अन्य ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से योगदान दिया। हरियाणा के एनएचएम निदेशक डॉ. जितेन्द्र सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, स्कूल अधिकारियों को प्रत्येक स्कूल से एक नोडल व्यक्ति नियुक्त करना चाहिए जो छात्रों को मोबाइल स्वास्थ्य टीम के दौरे के दिन बच्चों की पूर्ण उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेगा और अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम)/स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की बैठकों में अभिभावकों को प्रेरित करके संदर्भित मामलों का अनुसरण करने में सहायता करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
!!! सावधानः फर्जी भर्ती से सावधान रहें !!!
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भा.वि.प्रा.) को यह रिपोर्ट किया गया है कि बेईमान लोगों/धोखेबाजों/दलालों/एजेंटों ने अपनी झूठी आईडी बनाकर खुद को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के भर्तीकर्ता के रूप में प्रस्तुत करके भा.वि. प्रा. में लुभावने करियर हेतु फर्जी नौकरी के अवसरों की फर्जी भर्ती नोटिस/ संदेश/मोबाइल फोन कॉल के माध्यम से संभावित अभ्यार्थियों को धोखा देने की कोशिश की है।
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण संभावित नौकरी चाहने वालों से आग्रह करता है कि वे किसी अन्य वेबसाइट के बजाय, एएआई वेबसाइट **www.aai.aero** के करियर खंड पर ही भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में नौकरी के विज्ञापन/संदेश/कॉल लेटर/नियुक्ति पत्र की प्रामाणिकता की पुष्टि करते हुए सतर्कता और समुचित सावधानी बरतें।
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में भर्ती से संबंधित सभी विवरण जैसे विस्तृत विज्ञापन, आवेदन सत्यापन /साक्षात्कार कार्यक्रम, अंतिम परिणाम आदि भा.वि. प्रा. की आधिकारिक वेबसाइट **www.aai.aero** पर प्रकाशित किए जाते हैं।
आवेदन शुल्क केवल ऑनलाइन आवेदन जमा करते समय देय है, जिसका विज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख किया जाता है और यह केवल अनारक्षित और ओबीसी (एनसीएल) श्रेणियों से संबंधित पुरुष उम्मीदवारों द्वारा देय है। भा.वि.प्रा. द्वारा भर्ती के किसी भी चरण में किसी भी प्रकार का अन्य भुगतान नहीं मांगा जाता है।
ऐसे बेईमान लोगों/एजेंटों/संदेशों/मोबाइल फोन कॉल से लेन-देन करने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसा अपने व्यक्तिगत जोखिम और लागत पर करेगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण किसी भी प्रकार से इसके परिणामों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।
यदि कोई भी व्यक्ति इस तरह की धोखाधड़ी/फर्जी भर्ती रैकेट का शिकार हो जाता है, तो उन्हें स्थानीय पुलिस स्टेशन में धोखेबाजों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी जाती है।
एनआईटी सं.-03/2024-25 **कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन)**
Cbc 03111/12/0003/2425

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं: पांडुरंग

चंडीगढ़। सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग महानिदेशक केएम पांडुरंग ने चंडीगढ़ में विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए कि सरकार के विकास कार्यों व जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य प्रभावी तरीके से करें और इसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करें। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा को स्वच्छ व सुन्दर बनाना है , इसी कड़ी में सभी जिलाधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में स्वछता का विशेष ध्यान रखें। विशेष अभियान चलाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। सीएम सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार आमजन के लाभ व कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है।

हिसार हवाई अड्डे को अभी तक एयरोड्रम लाइसेंस ही जारी नहीं किया: सैलजा

चंडीगढ़। कांग्रेस कमेटी महासचिव, पूर्व सांसद सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार का यह दावा कि हिसार एयरपोर्ट जल्द ही चालू हो जाएगा और एलायंस एयर द्वारा उड़ानें संचालित की जाएंगी पूरी तरह से झूठा है क्योंकि एक सवाल के जवाब में हिसार एयरपोर्ट की स्थिति स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा कि नियामकीय देरी के कारण एयरपोर्ट को अभी तक आवश्यक एयरोड्रम लाइसेंस नहीं मिला है। सरकार इस प्रकार झूठ बोलकर प्रदेश की जनता को गुमराह कर रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने हिसार हवाई अड्डों और वायु सेना केंद्रों से यात्री विमान सेवा शुरू करने को लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय को कुछ सवाल भेजे थे, जिनमें जवाब में कहा गया है कि भारतीय वायुसेना के हवाई अड्डों पर चालू सिविल एन्क्लेव की कुल संख्या 28 है।

रोहतक में मंत्री कृष्ण लाल पंवार बोले

लाल डोरे के बाहर 20 वर्ष पुराने मकान का मालिकाना हक के लिए विधेयक पेश

परिवेदना समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने पहले विधानसभा सत्र में विधेयक पारित किया है जिसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में लाल डोरे के बाहर तालाब या फिरनी की जमीन से अलग जमीन पर 100 से 500 गज 20 वर्ष पुराना मकान बना हुआ है तो सरकार द्वारा कलेक्टर रेट पर मकान धारकों को मालिकाना हक देने का निर्णय लिया है। कृष्ण लाल पंवार रोहतक में जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के एजेंडे में कुल 16 शिकायतें शामिल की गई थी।

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर परिषद गोहाना	एम.सी. गोहाना में रोहतक रोड पर स्टॉर्म लाइन का प्रावधान व बिछाना।	19.12.2024 30.12.2024	94.68 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1262252013 eo-gohana@ulbharyana.gov.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2025/40/31208/1/88/6 दि. 20.12.24

ज्योतिष
फोन करते ही जिन्दगी संवारे
खुदा ने चाहा तो किसी का प्यार टूटने नहीं दूंगा
7 इल्मों के माहिर आपके विश्वास का एक ही नाम
21 सालों से एक ही स्थान पर
गोल्ड मेडलिस्ट
बाबा पठान बंगाली
7500542070
खुला चैलेंज शक्ति चमत्कार देखे 11 घंटों में घर, बैठे फोन पर या मिलकर समाधान कराये लव मैरिज, मनचाहा प्यार,वशीकरण,पति पत्नी में अनबन, सौतन दुश्मन से छुटकारा, मुठकरनी
A to Z सभी समस्याओं का समाधान
https://www.babapathanjibangali.com दिल्ली

जनता के हित सरकार के लिए सर्वोपरि: गंगवा

चंडीगढ़। हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रदेश की जनता ने बड़े बहुमत के साथ भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाई है। विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी, जनता के हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं, अधिकारियों को चाहिए कि आम जनता की जायज शिकायतों एवं समस्याओं का अपने स्तर पर प्राथमिकता से निवारण करें।

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

डेरा प्रमुख को हाईकोर्ट से झटका केस डायरी सौंपने का आदेश रद

पंचकूला। साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले में केस डायरी डेरा मुखी को सौंपने के सीबीआई स्पेशल कोर्ट के फैसले को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने रद कर दिया है। हाईकोर्ट ने मामला दोबारा सीबीआई स्पेशल कोर्ट को भेजते हुए नए सिरे से इस पर निर्णय लेने का आदेश दिया है। सीबीआई ने 2019 में हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। सीबीआई कोर्ट ने डेरा प्रमुख को अपना बचाव तैयार करने के लिए यह केस डायरी, गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज उपलब्ध करवाने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने ही डेरे में साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। सीबीआई ने मामले की जांच कर हाईकोर्ट में सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट दे दी थी। यह केस अब पंचकूला की सीबीआई ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। ट्रायल कोर्ट ने 2019 में डेरा मुखी की एक अर्जी पर इस मामले की केस डायरी उसे सौंपने का सीबीआई को आदेश दिया था। सीबीआई ने इसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि सीबीआई की विशेष अदालत का यह आदेश गलत था। पुलिस को दिए गए बयानों की कोई अहमियत नहीं होती है, ऐसे में 87 गवाहों की गवाही डेरा प्रमुख को सौंपने का कोई औचित्य नहीं है। स्पेशल कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए इस बात पर गौर नहीं किया कि जो दस्तावेज मांगे जा रहे हैं असल में उनको उपलब्ध करवाने का औचित्य क्या है।

राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
NHIDCL अवसंरचना निर्माण- राष्ट्र निर्माण | भारतमाला | आज़ादी का अमृत महोत्सव
कॉरपोरेट कार्यालयः प्रथम तल, टावर ए, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029
फा.सं. एनएचआईडीसीएल / 2 (25) / रिक्रूट सीए / 2024 / एचआर दिनांकः 21.12.2024
राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (जिसे आगे 'एनएचआईडीसीएल' कहा गया है) की स्थापना भारत सरकार द्वारा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन एक निगम के रूप में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और पड़ोसी देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों का तेजी से निर्माण / उन्नयन / चौड़ीकरण करने के लिए की गई है।
एनएचआईडीसीएल के वित्त विभाग में पैरा 2 में उल्लिखित विभिन्न स्थानों पर संविदा आधार पर निम्नलिखित पदों हेतु परामर्शदाता के रूप में नियुक्ति के लिए खुली भर्ती के माध्यम से युवा, ऊर्जावान, प्रभावी और अनुभवी पात्र पेशेवरों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.सं.	पदों का नाम	रिक्तियों की संख्या	प्रति माह पारिश्रमिक (रुपये में)*
1.	एशोसिएट	14	1,00,000/-
2.	परामर्शदाता	04	1,50,000/-

* विस्तृत विज्ञापन एनएचआईडीसीएल की वेबसाइटः www.nhidcl.com पर देखा जा सकता है।
कर्नल विवेक जैन (सेवानिवृत्त)
उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन)
CBC-37112/12/0009/2425
अवसंरचना निर्माण, राष्ट्र निर्माण

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 5723

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल(उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 5722 का हल

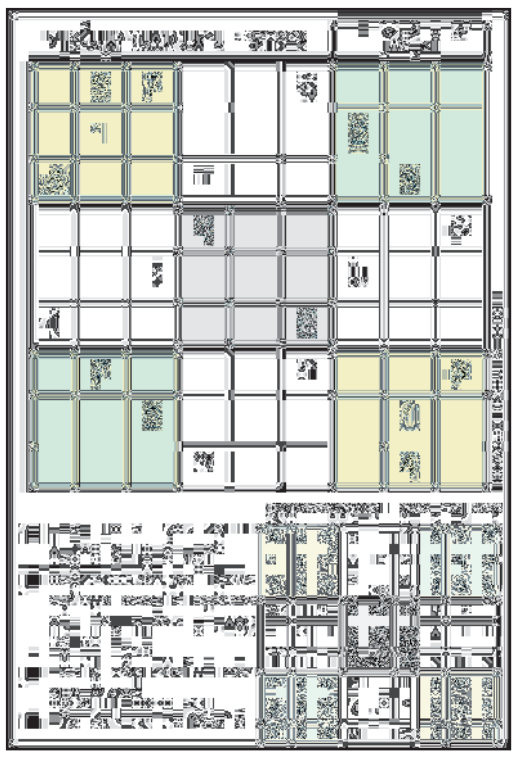

कोहली, रोहित समेत 12 क्रिकेटर्स का संन्यास, 2024 में बनी भारत की 'रिटायरमेंट इलेवन'!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यह साल 2024 भारतीय क्रिकेट के लिए 'कभी खुशी-कभी गम' की तरह रहा है। भारतीय टीम ने इसी साल टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीता और फैन्स को खुशियां दी। मगर इस एक ही साल में भारत के 12 स्टार खिलाड़ियों ने क्रिकेट को अलविदा भी कहा है।

यह उनके फैन्स के लिए किसी गम से कम नहीं रहा। भारतीय फैन्स को सबसे बड़ा और तगड़ा झटका तब लगा, जब विराट कोहली, रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा, शिखर धवन और आखिर में रविचंद्रन अश्विन जैसे स्टार प्लेयर्स ने संन्यास लिया। हालांकि कोहली, रोहित और जडेजा ने सिर्फ टी20 इंटरनेशनल को ही अलविदा कहा।

24 घंटे में तीन दिग्गजों ने छोड़ा टी-20

दरअसल, भारतीय टीम ने इसी साल जून में टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीता था। टीम ने 29 जून को हुए फाइनल में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से शिकस्त देकर दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीता था। बारबाडोस में यह फाइनल जीतते ही कोहली और रोहित ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। यह फैन्स को एक तगड़ा झटका था। इसके अगले ही दिन जडेजा ने इस गम को और बड़ा दिया। जब उन्होंने भी टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट का ऐलान किया। इस तरह फैन्स को वर्ल्ड कप जीत की खुशी के साथ तीन स्टार प्लेयर्स के संन्यास का गम भी मिला था।

कार्तिक ने फैन्स को दिया झटका

इसी महीने के पहले दिन यानी 1 जून को भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भी फैन्स को चौंकाया था। एक जून को ही कार्तिक का बर्थडे भी था। उन्होंने इसी दिन फैन्स को बर्थडे गिफ्ट के रूप में यह गम दिया था। कार्तिक ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से रिटायरमेंट ले लिया।

शिखर पर पहुंचकर धवन ने छोड़ा क्रिकेट

अकेले जून में 4 संन्यास के बाद भारतीय टीम को तगड़ा झटका अगस्त में लगा। जब स्टार भारतीय स्टार ओपनर शखिर धवन ने 24 अगस्त को इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। धवन साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।

0 साहा ने चुनी दूसरी राह

भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। इस सीरीज से ठीक पहले नवंबर में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा ने झटका दिया था। उन्होंने क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। बंगाल के इस 40 साल के विकेटकीपर ने 2010 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू के बाद से 40 टेस्ट और 9 वनडे मैच खेले।

तीनों फॉर्मेट को कहा अलविदा

भारतीय टीम के स्टार प्लेयर रहे केदार जाधव के अलावा वरुण आरोन, बरिंदर सरां, सिद्धार्थ कौल और सौरभ तिवारी ने भी तीनों फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। इस तरह लग रहा था कि मामला यहीं ठहर जाएगा। 0 साल का आखिरी और तगड़ा झटका अश्विन ने दिया मगर साल खत्म होते-होते तगड़ा झटका स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बीच में ही इस स्टार स्पिन ऑलराउंडर ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने यह फैसला भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए गाबा टेस्ट के ड्रॉ होने के तुरंत बाद गुरुवार को लिया। ऐसे में इस साल 2024 में कुल 12 भारतीय क्रिकेटर्स ने संन्यास लिया। यह एक तरह से रिटायरमेंट इलेवन बन गई है।

2024 में संन्यास

विराट कोहली, रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा का टी20 संन्यास। अश्विन का इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट। दिनेश कार्तिक, शिखर धवन, केदार जाधव, ऋद्धिमान साहा, वरुण आरोन, बरिंदर सरां, सिद्धार्थ कौल और सौरभ तिवारी ने तीनों फॉर्मेट को अलविदा कहा।

खबर संक्षेप

वह अपना दुश्मन खुद है पृथ्वी का रवैया ठीक नहीं

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ ने विजय हजारे ट्रॉफी की टीम से बाहर किए जाने पर पृथ्वी साव की भड़ास को तूल नहीं देते हुए कहा कि वह लगातार अनुशासन तोड़ता रहा है और अपना दुश्मन खुद है। एमसीए के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि खराब फिटनेस, रवैए और अनुशासन मसले के कारण कई बार टीम को मैदान पर उसे छिपाने पर मजबूर होना पड़ता था। साव ने 16 सदस्यीय विजय हजारे ट्रॉफी टीम में जगह नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गुस्सा निकाला था। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थे।

उत्कृष्टता की ललक से अश्विन खास : शास्त्री

मेलबर्न। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन और विरोधी की चिंता किए बिना अपने कौशल में निखार की रविचंद्रन अश्विन की ललक ने उन्हें खास बनाया है। 38 वर्ष के अश्विन ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेकर सभी को हैरान कर दिया। शास्त्री ने कहा, 'मुझे जो बात प्रभावित करती है, वह लगातार खुद को निखारने की उसकी ललक। वह यथास्थिति से कभी संतुष्ट नहीं होता।

जूनियर हॉकी टीम पहले सरकार से ले मंजूरी

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ से कहा गया है कि भारत में अगले साल के आखिर में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप में भागीदारी की पुष्टि करने से पहले उसे सरकार से अनुमति लेनी होगी। पीएचएफ महासचिव राणा मुजाहिद ने कहा, 'आम तौर पर पिछले कुछ साल से दोनों देशों के संबंधों में तनाव के बावजूद हमें भारत में बड़े टूर्नामेंट खेलने की सरकार से अनुमति मिल जाती है लेकिन अब हमें कहा गया है कि टीम तय करने और भागीदारी की पुष्टि करने से पहले सरकार से इजाजत लेनी होगी।'

टी-20 : आखिरी मुकाबले में 80 रनों से दर्ज की जीत

बांग्लादेश ने पहली बार वेस्टइंडीज को उसके घर में किया क्लीन स्वीप

एजेंसी ▶▶| हरारे

बांग्लादेश की टीम ने साल 2024 का अंत काफी शानदार तरीके से करते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले को 80 रनों से अपने नाम किया और क्लीन स्वीप करने में भी कामयाबी हासिल की। सेंट विसेंट में खेले गए सीरीज के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवर्स में 7 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाए जिसमें जाकेर अली के बल्ले से 41 गेंदों में नाबाद 72 रनों की पारी देखने को मिली। वहीं इस टारगेट का पीछा करने उतरी मेजबान विंडीज टीम 16.4 ओवर्स में 109 रनों के स्कोर पर सिमट गई।

वेस्टइंडीज टीम का टी20 फॉर्मेट में दबदबा देखने को मिलता है, जिसमें उनकी टीम में शामिल लगभग सभी खिलाड़ी मैच विनर से कम नहीं हैं, लेकिन इसके बावजूद तीन मैचों की इस सीरीज में उन्हें क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। विंडीज टीम घर पर टी20 इंटरनेशनल में पांच साल के बाद किसी सीरीज में क्लीन स्वीप हुई है।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास

बांग्लादेश की टीम भी अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार टॉप-8 टीमों में से किसी के खिलाफ टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप करने में कामयाब हुई है। इससे पहले साल 2011 में दोनों टीमों के बीच सिर्फ एक मैच की टी20 सीरीज हुई थी जिसे बांग्लादेश की टीम जीतने में कामयाब हुई थी। वहीं इसके बाद साल 2018 में बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी0 सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था।

अली का बल्ले और हुसैन का गेंद से दिखा कमाल

इस टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश टीम की जीत में बल्ले से जहां जाकेर अली का अली का कमाल देखने को मिला तो वहीं गेंदबाजी में लेग स्पिनर रिशाद हुसैन अपनी फिरकी का जादू दिखाने में कामयाब रहे। जाकेर ने इस मुकाबले में बेहतरीन नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली जिसमें उन्होंने बांग्लादेश टीम की पारी के आखिरी में कुल 25 रन बनाए, जिससे स्कोर 189 रनों तक पहुंच सका। वहीं गेंदबाजी में बात की जाए तो लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने अपने 4 ओवर्स में सिर्फ 21 रन देने के साथ तीन विकेट हासिल किए, जबकि तस्कीन और मेहदी भी 2-2 विकेट अपने नाम करने में कामयाब रहे। ये बांग्लादेश टीम की साल 2024 में आखिरी सीरीज भी थी।

हरियाणा की निशानेबाज सुरुचि ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण जीते

नई दिल्ली। हरियाणा की युवा निशानेबाज सुरुचि ने 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक की हैट्रिक बनाई। झज्जर की रहने वाली सुरुचि ने कर्णी सिंह रेंज पर फाइनल में 243.1 का स्कोर बनाकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सीनियर वर्ग में अपना पहला खिताब जीता। इसके अलावा उन्होंने जूनियर और युवा वर्ग में भी स्वर्ण पदक जीते। सुरुचि ने पांच साल पहले झज्जर के उसी रेंज पर अपने करियर की शुरुआत की जहां ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर ने अपने शुरुआती दिनों में निशानेबाजी सीखी थी। पिछली बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 585 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। इस स्पर्धा में कई अनुभवी निशानेबाज भाग ले रहे थे जिनमें ओलंपियन रिदम सांगवान, एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक, अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्या टीएस और जूनियर विश्व चैंपियन सान्याम शामिल थी। सुरुचि ने फाइनल में शुरू से लेकर आखिर तक अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने दूसरे स्थान पर रही रिदम को 5.7 अंक से पीछे छोड़ा। महाराष्ट्र की कृष्णाली राजपूत तीसरे स्थान पर रहीं।

श्रीलंका क्रिकेट ने किया संविधान में संशोधन

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट ने आम सभा की बैठक में अपने संविधान में संशोधन करते हुए वोटिंग क्लबों की संख्या 147 से घटाकर 60 कर दी है। एसएलसी ने यह कदम देश की सबसे बड़ी धनवान खेल संस्था पर नियंत्रण करने के लिए बड़े व्यवसायियों द्वारा वोट खरीदने और हेरफ़ेर के आरोपों से निपटने के लिए उठाया। अतीत में वोट खरीदने और हेरफेर के मामले सामने आते रहे हैं। इसमें 1998 की आम सभा की बैठक में दो गुटों के बीच हाथापाई का मामला भी शामिल है।

अंडर 19 महिला टी-20

एशिया कप के फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारत ने अंडर 19 महिला टी20 एशिया कप में अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए श्रीलंका को चार विकेट से हराकर शुक्रवार को फाइनल में प्रवेश कर लिया।

- आयुषी के चार विकेट, श्रीलंका को चार विकेट से हराया

आयुषी शुक्ला ने भारत के लिए चार ओवर में दस रन देकर चार विकेट लिए। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम को नौ विकेट पर 98 रन पर रोक दिया। पारुणिका सिसोदिया ने दो विकेट लिए। श्रीलंका के लिये सिर्फ सुमुदु निसांसाला (21) और कप्तान मानुदी एन (33) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। भारत की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज ईश्वरी असवारे तीसरी ही गेंद पर आउट हो गई। लेकिन जी कमलिनी (28) और जी त्रिशा (32) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। भारत ने पहले मैच में पाकिस्तान को नौ विकेट से हराया था। इसके बाद बांग्लादेश और श्रीलंका को मात दी जबकि नेपाल के खिलाफ मैच बेनतीजा रहा।

ज्योशना ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण पदक

दोहा। भारत की ज्योशना सबर ने शुक्रवार को यहां एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 40 किग्रा भार वर्ग में कुल वजन वर्ग में नए युवा एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ज्योशना ने लड़कियों के 40 किग्रा वर्ग में 135 किग्रा (60 किग्रा स्नैच + 75 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया। पायल ने लड़कियों के 45 किग्रा वर्ग में कुल 155 किग्रा (70 स्नैच + 85 क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। पायल नाम की एक भारतीय खिलाड़ी ने लड़कियों के 45 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने कुल 155 (70 स्नैच + 85 क्लीन एवं जर्क) वजन उठाया। लड़कों के 49 किग्रा वजन वर्ग में बाबूलाल हेम्ब्रोम ने कुल 197 (88 स्नैच + 109 क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। शुक्रवार को चैंपियनशिप का पहला दिन था।

धीरज और दीपिका बने राष्ट्रीय चैंपियन

एजेंसी ▶▶| जमशेदपुर

धीरज बोम्मादेवरा और दीपिका कुमारी की ओलंपियन जोड़ी ने शुक्रवार को यहां अपने प्रतिद्वंद्वियों की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए तीरंदाजी सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में क्रमशः पुरुष और महिला रिकर्व खिताब हासिल किया।

पैट्रोलियन खेल संवर्धन बोर्ड का प्रतिनिधित्व कर रही दीपिका ने पेरिस ओलंपिक की अपनी साथी अंकिता भकत को महिलाओं के फाइनल में 6-2 से शिकस्त दी। हरियाणा के उभरते हुए तीरंदाज दिव्यांश चौधरी ने भी भारत के अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज धीरज के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन सेना के तीरंदाज ने 6-2 से पुरुष खिताब अपनी झोली में डाला।

टीम स्पर्धा में सेना को उलटफेर का सामना करना पड़ा जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सेना ने राजस्थान को 5-4 (29-28) के अंतर से मात दी। रेलवे ने हरियाणा को 6-2 से हराकर पुरुष टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दीपिका ने पीएसपीबी के लिए दो स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने मिश्रित टीम स्पर्धा में अतनु दास के साथ मिलकर पंजाब को 6-2 से हराकर दूसरा स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

चिंतन

धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ होने पर दोषी को सजा मिले

मेरठ में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में शुक्रवार दोपहर भगदड़ मच गई। कई महिलाएं और बुजुर्ग गिरकर चोटिल हो गए। यह पहला मामला नहीं है कि धार्मिक कार्यक्रम में इस तरह का हादसा हुआ हो। कौन भूल सकता है कि कुछ दिन पूर्व यूपी के हाथरस में हुए ऐसे ही हादसे में सैकड़ों लोगों की जान चली गई। हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में 2008 में एक धार्मिक समारोह में भगदड़ मचने से 162 लोगों की जान चली गई थी, मध्य प्रदेश के दतिया में 115 लोगों की मौत हो गई, केरल के सबरीमाला में 104 की मौत हुई, आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में 27 तीर्थयात्रियों की जान गई। इन चंद हादसों का उल्लेख किया गया। इसके अलावा भी ऐसे दर्जनों धार्मिक आयोजन की लंबी सूची है, जिसमें भगदड़ मचने से श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी। जब ऐसे हादसे होते हैं तो हम दुःखी होते हैं। तरह-तरह की चर्चाएं भी होती हैं। पुख्ता सुरक्षा इंतजाम को ढोल पीटा जाता है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद न केवल हम बल्कि ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन और हमारा प्रशासनिक अमला लापरवाह होता है जब तक कि कोई दूसरा हादसा नहीं हो जाता। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार, 2000 से 2013 तक, भगदड़ में लगभग 2,000 लोग मारे गए। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (आईजेडीआरआर) द्वारा प्रकाशित 2013 के एक अध्ययन से पता चलता है कि भारत में 79 फीसदी भगदड़ धार्मिक सभाओं और तीर्थयात्राओं के कारण होती हैं। भारत और अन्य विकासशील देशों में भीड़-भाड़ से जुड़ी अधिकांश दुर्घटनाएं धार्मिक स्थलों पर होती हैं। अक्सर ऐसी धार्मिक सभाएं ऐसी जगह होती हैं, जहां से निकलने का केवल एक रास्ता होता है और वो भी संकरा। इससे तीर्थयात्रियों के लिए जोखिम पैदा होता है। भगदड़ के कई कारण होते हैं, जैसे क्षमता से ज्यादा भीड़ होना, भीड़ पर खराब नियंत्रण, खराब तरीके से चुना गया कार्यक्रम स्थल, संकीर्ण स्थान, लेकिन हादसा हो जाता है तब हम इस पर चर्चा करते हैं। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। प्रशासन क्यों इसके लिए जिम्मेदार नहीं होता। किसी अधिकारी को दंड़ित क्यों नहीं किया जाता। क्योंकि ऐसे कार्यक्रमों की मंजूरी तो वही देते हैं। आयोजकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हो पाती। अब हाथरस हादसे को ही लें, न तो आयोजकों का कुछ बिगड़ा और न ही मंजूरी देने वाले अधिकारियों का। इसी का परिणाम है कि मेरठ में एक और हादसा हो गया। हालांकि बचाव रहा है कि कुछ महिला श्रद्धालु ही चोटिल हुई। वैसे भी ऐसे हादसों में सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं ही होती हैं। क्योंकि महिलाएं ज्यादा धार्मिक होती हैं तो ऐसे आयोजनों में ज्यादा पहुंचती हैं। वे भागदौड़ में शारीरिक तौर उतनी मजबूत नहीं होती हैं। महिलाओं में घबराहट भी तुरंत बढ़ जाती है, जिससे उन्हें हार्ट अटैक हो सकता है या दम घुट जाता है। इतना ही नहीं महिलाएं भागते लोगों के पैरों के नीचे आकर कुचली जाती हैं। लेकिन हम फिर भी नहीं जागते। कानून कहता है कि अगर सत्संग किसी घर या निजी स्थान पर आयोजित किया जा रहा है और इसमें केवल कुछ लोग शामिल हैं, तो आमतौर पर किसी औपचारिक परमिशन की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन सत्संग किसी सार्वजनिक स्थान, जैसे कि पार्क या सामुदायिक केंद्र में आयोजित किया जा रहा है, तो प्रशासन से अनुमति जरूरी है। अगर अनुमति ली गई है और उसके बाद हादसा होता है तो इसके लिए मंजूरी देने वाले अधिकारी और आयोजक दोनों को ही दंडित किया जाना जरूरी है। तभी ऐसे हादसों पर लगाम लग पाएगी।

ध्यान दिवस

विकेश कुमार बडोला

असीमित है ध्यान की महिमा

आज इक्कीस दिसंबर 2024 को प्रथम ध्यान दिवस मनाया जा रहा है। ध्यान व्यक्ति को अंतर्यात्रा करवाता है। यह व्यक्ति की एकल आंतरिक यात्रा है। इस यात्रा के विविध अनुभव ही उसे वह व्यक्तित्व प्रदान करते हैं, जो एक पूर्णरूपेण आदर्श होता है। ध्यान के प्रवाह में भौतिक व बाहरी जगत शून्य हो जाता है। इस आध्यात्मिक युक्ति द्वारा व्यक्ति स्वयं का इष्टतम बौद्धिक-मानसिक उपचार करता है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति के अहं, स्व, मैं व मेरे के साधारण भाव विराट कर्तव्य बोध में रूपांतरित होने लगते हैं। ध्यान की गहनता में स्थिर होकर व्यक्ति व्यक्तिगत दोषों को स्पष्ट देखता है, उन्हें स्वीकार करता है तथा उन्हें समाप्त करने का संकल्प करता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारत के पौराणिक महत्त्व को समझते हुए 21 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित किया है। आज इक्कीस दिसंबर 2024 को प्रथम ध्यान दिवस मनाया जा रहा है। कुछ वर्ष पूर्व भारत के आग्रह पर महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाना आरंभ किया था। इस प्रकार भारतीय आह्वान पर दो महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दिवसों का आयोजन हमारे देश के लिये गर्व का विषय है। ध्यान शब्द अत्यंत व्यापक है। ध्यान की महिमा असीमित है। इसका प्रतिफल सर्वश्रेष्ठ है। इसमें मनुष्य की मौलिकता, नैतिकता, नवीनता और व्यक्तित्व की श्रेष्ठता समाहित है। संसार की साधारण गतिविधियों को निःस्वार्थ व निर्मोही होकर ग्रहण करके जीवन में संतोष के बिंदु पर स्थिर होना ही ध्यान है।

ध्यान व्यक्ति को अंतर्यात्रा करवाता है। यह व्यक्ति की एकल आंतरिक यात्रा है। इस यात्रा के विविध अनुभव ही उसे वह व्यक्तित्व प्रदान करते हैं, जो एक पूर्णरूपेण आदर्श होता है। ध्यान के प्रवाह में भौतिक व बाहरी जगत शून्य हो जाता है। इस आध्यात्मिक युक्ति द्वारा व्यक्ति स्वयं का इष्टतम बौद्धिक-मानसिक उपचार करता है। इस प्रक्रिया में व्यक्ति के अहं, स्व, मैं व मेरे के साधारण भाव विराट कर्तव्य बोध में रूपांतरित होने लगते हैं। ध्यान की गहनता में स्थिर होकर व्यक्ति व्यक्तिगत दोषों को स्पष्ट देखता है, उन्हें स्वीकार करता है तथा उन्हें समाप्त करने का संकल्प करता है। अंतर्मन की ऐसी स्थिति मनुष्य को हरसंभव विधि से वही विचार व भाव अपनाने की शिक्षा देती है, जो मानव कल्याण के लिए अभीष्ट है। ध्यान एक आंतरिक एकांत है। मन में एक शांत विश्राम ग्रहण कर श्वास-निःश्वास पर केंद्रित होना ध्यान का आरंभिक चरण है। यदि यह अवस्था दीर्घावधि तक रहती है तो निश्चित रूप में मनुष्य का तन-मन व आत्मा आश्चर्यजनक ढंग से बलवान होने लगते हैं। विचारों एवं भावनाओं में सकारात्मकता, आशा व नवीन ऊर्जा का संचार होने लगता है। जैसे-जैसे ध्यान का विस्तार होता जाता है, उसी अनुपात में आत्मविश्वास एवं आत्मचेतना विकसित होने लगती है। जगत में परिव्याप्त अनेक बुराइयों, कठिनाइयों व संघर्षजन्य कष्टों के मध्य अविचलित होकर स्थिर रहने तथा लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निरंतर उन्मुख होने की जीवनशक्ति का निर्माण ध्यान के अगणित आत्मतत्वों से ही होता है। वर्षों तक ध्यानस्थ रहने-होने का अभ्यास मनुष्य को न केवल स्वयं के लिए, अपितु अन्य मनुष्यों व समाज के लिए भी उपयोगी बनाता है। कल्पना करते हैं कि यदि संसार के अधि से भी अधिसंख्य मनुष्यगण ध्यानाभ्यास करें तो मनुष्यों का समग्र सांसारिक जीवन कितने आनंद व कितनी समृद्धि से भर जाएगा! प्रायः अधिसंख्य मनुष्यों के मन में एक विचित्र हलचल होती है। वे विचलित होते हैं। उनमें एक विकलता लहराती रहती है। यह अनेक प्रचलित विषयों, मतों, विचारों व सिद्धांतों के प्रति असहमति का अंतर्द्वंद्व होता है। अंतर्द्वंद्व का यह उद्वेग यदि अधिक समय तक अथवा निरंतर बना रहता है तो व्यक्ति का भौतिक एवं मानसिक जीवन तनाव से घिरने लगता है। इस समय जगत के विभिन्न देशों के शासक एवं लोग इसी प्रकार के द्वंद्व से घिरे हुए हैं। इसीलिए जग में अशांति है। इसी कारण दुनिया पारस्परिक भेदों से ग्रसित है। इसी अवगुण की दुष्प्रेरणा से प्रत्येक देश एवं प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को ही

श्रेष्ठ मान रहा है और दूसरे की उपेक्षा व अपमान में लिप्त है। एक ही देश में राजनीति के प्रतिनिधि विभिन्न दलों की भी यही स्थिति है। इन दलों से जुड़े हुए लोग भी विषय, मत, विचार व सिद्धांत की परस्पर प्रतिस्पर्द्धा में लिप्त हैं। यही धारा समाज व सार्वजनिक जीवन से होते हुए परिवारों तक फैल गई है। यह अहं, स्वार्थ, मैं, मेरा व मेरी की दुर्भावना बढ़ा रहा है। परिणाम में दुनिया में दो देशों के मध्य सैन्य युद्ध, शीत युद्ध एवं अर्थ युद्ध हो रहे हैं। एक ही देश में एक राजनीतिक दल व इनके सदस्यों का दूसरे राजनीतिक दल व उनके सदस्यों के साथ विषय विकार का युद्ध चल रहा है। समाज में पद, प्रतिष्ठा, गौरव व अस्मिता प्राप्त करने की अभिलाषा से भी लोगों के मध्य पारस्परिक प्रतियोगिता बढ़ रही है। परिवार ऐसी स्थिति में अप्रभावित कैसे हो सकता है।

फलतः पारिवारिक सदस्यों के मध्य भी अनावश्यक मतभेद बढ़ रहे हैं। आज चहुंओर दृष्टि घुमाने पर संवेदनशील व्यक्ति को यही दिखाई देता है और यही अनुभव हो रहा है कि मानवता समाप्ति की सीमा पर है। भौतिक, औद्योगिक व वैज्ञानिक उन्नति ने मनुष्य के जीवन को वस्तुओं एवं सेवाओं के स्तर पर तो सुगम बनाया है, किंतु ऐसी उन्नत स्थिति ने अपने व्यापक नकारात्मक परिणाम भी प्रकट किए हैं। ये परिणाम मनुष्यों के मन-मस्तिष्क एवं भावना-आत्मा को भी मानुषिक चेतना से रिक्त कर चुके हैं। इस कारण मानव प्राकृतिक मानवीय गुणों से वंचित हो रहा है।

इन स्थितियों में व्यक्तित्व के विकास को प्राथमिकता देनी होगी। व्यक्ति का व्यक्तित्व शांत, संतुलित व समुचित होगा तो ही देश व दुनिया का विकास उचित अर्थों में फलीभूत हो सकेगा। इस प्रयोजन हेतु व्यक्ति की दिनचर्या ध्यान द्वारा परिष्कृत किए जाने की अति आवश्यकता है। जब व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय ध्यानपूर्वक बैठकर आंतरिक विचार-विमर्श करेगा, स्वयं के जीवन के मौलिक अस्तित्व व उद्देश्य से परिचित होगा तथा ध्यानाभ्यास की ऐसी शक्ति से अपने भौतिक व व्यावहारिक कार्य संपन्न करेगा तो फलस्वरूप उसका ही नहीं, अपितु समाज व राष्ट्र का भी यथोचित उपकार होगा। भारत भूमि पौराणिक समय से ही ध्यानियों की भूमि रही है। समय-समय पर अनेक साधकों, साधुओं, संतों व ज्ञानियों ने व्यक्तिगत ध्यान की गहराई में प्रवेश कर जीवन के मर्म को समझा। उन्होंने जीवन ही नहीं, मृत्यु के सत्य का भी गहन आंतरिक निरीक्षण किया। ध्यान द्वारा प्रतिपादित अपनी साधनाओं द्वारा उन्हें जीवन-मृत्यु, आत्मा-परमात्मा, मोक्ष-मुक्ति, इत्यादि विषयों का वास्तविक ज्ञान प्राप्त हुआ। इसी ज्ञान परंपरा के आधार पर भारतीय लोकजीवन में धर्म की उत्पत्ति हुई। यह असाधारण उपलब्धि थी। मानव के स्वरूप में विद्यमान साधकों के ऐसे आध्यात्मिक रूपांतरण द्वारा ही संसार में धार्मिक, आध्यात्मिक, दार्शनिक, प्राकृतिक तथा मनोवैज्ञानिक ज्ञान का उद्गम हुआ। ध्यान के बल पर अर्जित ऐसा पौराणिक ज्ञान सदैव ही मानवों का पथ-प्रदर्शक रहा है तथा उन्हें सन्मार्ग की ओर प्रशस्त करता रहा है। आज संसार के प्रत्येक मनुष्य को भारत के पौराणिक, आदिकालिक ध्यान-साहित्य से परिचित होने की आवश्यकता है। देश, काल, व्यक्ति व परिस्थिति के अनुसार जीवन को श्रेष्ठता प्रदान करने हेतु व्यक्ति को सबसे पहले आत्मदर्शन करने होते हैं। आत्मदर्शन की सुविधा ध्यान आरंभ करने पर प्राप्त होती है। राष्ट्र, समाज, परिवार और मानवों में पारस्परिक दायित्व की शुद्ध भावना तब ही आकार लेती है जब ध्यानकेंद्रित होकर जीवन के उद्देश्यों व लक्ष्यों की चेतना उत्पन्न होती है। आदर्श तथा कम से कम मनुष्योचित आचार-व्यवहार सुरक्षित रखने के लिए मनुष्यों को ध्यान के योग व उपयोग को अंगीकार करना ही होगा। मानवीय जीवन में मानवता की पुनःप्राप्ति के लिए ध्यान अति आवश्यक है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

क्रिकेट से संन्यास

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

रविचंद्रन अश्विन : एक सुनहरे युग का अंत

भारतीय क्रिकेट हमेशा से स्पिन गेंदबाजों का गढ़ रहा है। इस परंपरा ने क्रिकेट की दुनिया को अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, और रविचंद्रन अश्विन जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी दिए हैं। हाल ही में रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, और उनके इस निर्णय ने क्रिकेट प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अश्विन ने न केवल भारतीय क्रिकेट को ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी अपने कौशल का परचम लहराया। रविचंद्रन अश्विन का जन्म 17 सितंबर 1986 को चेन्नई, तमिलनाडु में हुआ था। उन्होंने अपनी शिक्षा सेंट बेड्स स्कूल से प्राप्त की और बाद में एसएसएन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इंजीनियरिंग की डिग्री ली। हालांकि उनका झुकाव हमेशा क्रिकेट की ओर रहा। शुरू में एक बल्लेबाज के रूप में खेलने वाले अश्विन ने जल्दी ही महसूस किया कि उनकी असली प्रतिभा ऑफ स्पिन गेंदबाजी में है। अश्विन ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच से की। इसके बाद उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भी अपनी जगह बनाई और अपने पहले ही टेस्ट मैच में 9 विकेट लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। रविचंद्रन अश्विन का क्रिकेट करियर आंकड़ों के लिहाज से अद्वितीय रहा है। उन्होंने 94 टेस्ट मैचों में 474 विकेट लिए, जो उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक बनाता है। इसके अलावा, वनडे और टी20 प्रारूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया।अश्विन ने न केवल गेंदबाजी में बल्कि बल्लेबाजी में भी भारतीय टीम को मजबूती दी। उन्होंने 5 शतक और 13 अर्धशतक बनाए हैं, जो यह दर्शाता है कि वे एक ऑलराउंडर के रूप में कितने सक्षम थे। अश्विन ने वनडे में 151 विकेट और टी20 में 72 विकेट लिए। हालांकि, उनका प्रमुख योगदान टेस्ट क्रिकेट में ही देखा गया। अश्विन का गेंदबाजी स्टाइल उन्हें सबसे अलग बनाता है। उनकी ऑफ स्पिन गेंदबाजी में विविधता, फ्लाइट, और गति का अद्भुत संयोजन देखने को मिलता है। उनकी 'कैरम बॉल' ने कई बल्लेबाजों को परेशान किया और उन्हें विश्व क्रिकेट में खास पहचान दिलाई। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह के संन्यास के बाद भारतीय टीम में एक ऐसे स्पिनर की जरूरत थी जो टेस्ट क्रिकेट में विकेट निकाल सके और कठिन परिस्थितियों में टीम का साथ दे सके। अश्विन ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। कुंबले की तरह, अश्विन ने भी टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता और दृढ़ता दिखाई। हरभजन की तरह, उन्होंने भी आक्रामकता और बल्लेबाजों पर मानसिक दबाव बनाने की कला सीखी। अश्विन की सफलता केवल भारतीय धरती तक सीमित नहीं रही। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया। खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी गेंदबाजी हमेशा यादगार रही है। 2016 में, अश्विन को आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला, जो उनकी प्रतिभा और योगदान को वैश्विक स्तर पर मान्यता देता है। अश्विन का संन्यास भारतीय क्रिकेट के लिए एक युग के अंत जैसा है। हालांकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में खेलना जारी रखने का संकेत दिया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी अनुपस्थिति को महसूस किया जाएगा। उनके संन्यास का फैसला कई कारणों से लिया गया हो सकता है, जिनमें उम्र, शारीरिक थकान, और युवा खिलाड़ियों को मौका देने की भावना शामिल हो सकती है। अश्विन का प्रभाव केवल उनके प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है और स्पिन गेंदबाजी की नई परिभाषा गढ़ी है। उनकी सोच, तकनीक, और रणनीतियां भारतीय क्रिकेट के लिए एक धरोहर हैं। उन्होंने टीम इंडिया को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकाला और कई मैच जिताए। उन्होंने दिखाया कि एक स्पिनर भी ऑलराउंडर बन सकता है। अश्विन के संन्यास के बाद भारतीय टीम को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर टीम में हैं, लेकिन अश्विन जैसी विविधता और अनुभव हासिल करने में समय लगेगा। रविचंद्रन अश्विन का करियर भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम अध्यायों में दर्ज रहेगा। उन्होंने न केवल स्पिन गेंदबाजी को नई ऊंचाई दी, बल्कि भारतीय क्रिकेट के प्रशंसकों को कई यादगार पल भी दिए। उनके संन्यास के बाद टीम में उनकी कमी जरूर महसूस होगी, लेकिन उनके द्वारा स्थापित मानदंड आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। अश्विन को इस नई यात्रा के लिए शुभकामनाएं, और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान के लिए हमेशा आभार।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संपूर्ण ब्रह्मांड है शिव जी का रूप

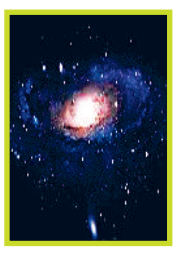

संकलित

दर्शन

जिस क्षण आपका तन अस्तित्व में आया, यह मात्र एक कोशिका के रूप में था। एक कोशिका आपका पूरा शरीर बन गई। उस कोशिका को ठीक-ठीक ज्ञात था कि आंखें कहां बनानी हैं, कान कहां बनाने हैं, गुर्दे कहां होने चाहिए, हृदय कहां होना चाहिए और एक कोशिका ने स्वयं को कई अलग-अलग ढंग से गुणित किया, जैसे कि नाखून, केश, जिह्वा, मांसपेशियां, अस्थियां और शरीर के अन्य सभी अंग। क्या कभी आपने इस बारे में सोचा है? एक कोशिका ने बहुगुणित होकर मानव शरीर के इतने सारे अंग बनाए। मानव शरीर एक है, फिर भी यह अपनी प्रकृति और बनावट में बहुत विविधता पूर्ण है। विविधता में यह एकता संपूर्ण सृष्टि में भी नजर आती है। संपूर्ण सृष्टि में सूर्य, चंद्रमा, तारे, वायु, बादल, जल, पृथ्वी एक ही पदार्थ से बने हैं। हर वस्तु एक तत्व से बनी है। उस एक तत्व को शिव कहा जाता है, जिसकी हम श्रावण के इस शुभ महीने में पूजा करते हैं। शिव तत्व के बारे में बात करना बहुत कठिन है क्योंकि इसे केवल महसूस किया जा सकता है। शब्द बहुत निकट जाते हैं लेकिन वापस लौट आते हैं। क्या शिव कोई सत्ता है? क्या उसका कोई रूप है? क्या वह किसी स्थान पर विराजमान कोई व्यक्ति है? नहीं, शिव संपूर्ण ब्रह्मांड हैं। शिव तत्व वह है जहां से सब कुछ आया है, सब कुछ स्थित है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। ऐसा कोई मार्ग नहीं है कि आप किसी भी समय शिव तत्व से बाहर निकल सकें क्योंकि शिव ही संपूर्ण सृष्टि हैं।

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

संकलित

प्रेरणा

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

अंतर्मन

आज की पाती

नक्सलवाद पर कब लगेगी रोक?

भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने अगले एक साल के भीतर देश से नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने की बात कही है। पता नहीं, इस शुभ कार्य में भारत की सारी व्यवस्था कहां और कब तक सफल होती है? इसका उत्तर तो निकट भविष्य के गर्भ में ही छुपा है, तथापि इस घोषणा का स्वागत और प्रशंसा तो की ही जा सकती है। नक्सलवाद के संस्थापक चारु मजूमदार और कानू साव्याल ने तत्कालीन राजनीतिक और प्रशासनिक कुव्यवस्था द्वारा दी गई घोर यातना और भयंकर कष्ट को झेला और सहा था।

- सांकेत अग्रवाल, कांकेर

ट्रेंड

कांग्रेस माफी मांगे

अत्यंत निंदनीय और अस्वीकार्य! श्री राहुल गांधी द्वारा दो बीजेपी सांसदों पर किया गया शारीरिक हमला हमारे संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। कांग्रेस पार्टी को देश से माफी मांगनी चाहिए!

-किरण रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री

शब्दों को वापस लें शाह

अमित शाह द्वारा संसद में दलितों के मसीहा बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर के बारे में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया है उससे इन वर्गों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँची है। उन शब्दों को वापस लेकर इनको पश्चाताप भी जरूर करना चाहिए।

-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

पूर्वांचली समाज देगा जवाब

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जी ने संसद में हमारे पूर्वांचली भाइयों की रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और घुसपैठियों से तुलना की। दिल्ली का पूरा पूर्वांचली समाज अब भाजपा को जवाब देगा।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

एक अच्छी शुरुआत

एक अच्छी शुरुआत हुई है मेरे चैनल भीष्म इंटरनेशनल में। एमके शो तो है ही, साथ एक और मंच खड़ा हो गया है सनातन मंच। दर्शकों को सनातनी ज्ञान जानने का मौका मिलेगा और सबसे बड़ी बात सनातन धर्म को आगे बढ़ाने का मौका।

-मुकेश खन्ना, अभिनेता

करंट अफेयर

पाक के लंबी दूरी मिसाइल कार्यक्रम से अमेरिका चिंतित

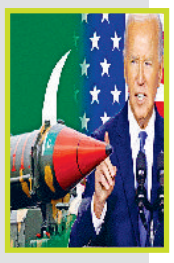

अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को समर्थन देने से इनकार करना वाशिंगटन की पुरानी नीति है। यह टिप्पणी बाइडन प्रशासन की ओर से पाकिस्तान सरकार के स्वामित्व वाली प्रमुख एयरोस्पेस और रक्षा एजेंसी-राष्ट्रीय विकास परिसर (एनडीसी) पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद आई है। विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा, ''यह इनकार पाकिस्तान के लंबी दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के संबंध में हमारी चिंताओं पर आधारित हैं, लेकिन इनसे अन्य क्षेत्रों में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच मौजूद व्यापक सहयोग प्रभावित नहीं होता।'' अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में योगदान देने के आरोप में चार पाकिस्तानी कंपनियों पर बुधवार को प्रतिबंध लगाया था। इनमें इस्लामाबाद स्थित एनडीसी के अलावा कराची स्थित अख्तर एंड संस प्राइवेट लिमिटेड, एफिलिएट्स इंटरनेशनल और रॉकसाइड एंटरप्राइज शामिल हैं।

ऑफ बीट

सनग्लास बचाते हैं आंखों को यूवी किरणों के दुष्प्रभाव से

पराबैंगनी विकिरणें मानव शरीर के लिए बेहद हानिकारक मानी जाती हैं। हालांकि, हम अपनी त्वचा को तो यूवी विकिरणों के दुष्प्रभाव से बचाने पर ध्यान देते हैं, लेकिन आंखों की रक्षा करना अक्सर भूल जाते हैं। पिछली गर्मियों में, यूवी विकिरणों का स्तर चरम पर होने के दौरान खुले आसमान के नीचे समय बिताने वाले महज 60 फीसदी ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने सनग्लास का इस्तेमाल किया। सनग्लास सिर्फ फैशन का जरिया भर नहीं हैं। ये आंखों को यूवी विकिरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में भी मददगार हैं। आइए जानें कि हम अपनी आंखों के लिए उपयुक्त सनग्लास कैसे चुन सकते हैं। यूवी विकिरण क्या है? -यूवी विकिरण सूर्य जैसे स्रोतों से उत्पन्न एक प्रकार की ऊर्जा है। ये विकिरण तीन तरह की होती हैं : यूवीए, यूवीबी और यूवीसी। यूवीए और यूवीबी हमारी त्वचा और आंखों को सूरज से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार मानी जाती हैं। यूवी विकिरणें प्रत्यक्ष, बिखरी हुई या परावर्तित हो सकती हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मेरठ में पं. प्रदीप मिश्रा की कथा में भगदड़

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा में शुक्रवार दोपहर भगदड़ मच गई। कई महिलाएं और बुजुर्ग गिरकर चोटिल हो गए। दोपहर 1 बजे से कथा शुरू हो चुकी थी। करीब 1 लाख लोग पहुंचे थे। कथा शुरू होने पर लोग जल्दबाजी में अंदर जा रहे थे। बाउंसर्स ने भीड़ अचानक बढ़ने पर लोगों को रोक-रोक कर एंट्री करानी शुरू कर दी फिर भगदड़ मच गई। चोटिल महिलाओं और बुजुर्गों का घटनास्थल पर बने हेल्थ कैंप में इलाज किया जा रहा है। शताब्दी नगर में चल रही इस कथा का आज छठा और कल आखिरी दिन है। रोज करीब डेढ़ लाख लोग आ रहे हैं। कथा में जिस रास्ते से भीड़ आ रही थी, उसी रास्ते से मुख्य यजमान भी जा रहे थे।

ईवीएम सत्यापन याचिका पर सुनवाई दूसरी पीठ में

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के सत्यापन के लिए नीति बनाने के अनुरोध वाली याचिका पर अब न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ अगले साल जनवरी में सुनवाई करेगी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि हरियाणा के पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल और लखन कुमार सिंगला की याचिका पर न्यायमूर्ति दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ 20 जनवरी से शुरू करेगी।

संसद का शीतकालीन सत्र खत्म, 20 बैठकें हुईं, 105 घंटे कार्यवाही चली

आंबेडकर विवाद के बीच लोस और रास अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

संसद शीतकालीन सत्र के 21वें दिन भी सदन में जमकर हंगामा हुआ। शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन अंबेडकर विवाद के बीच दोनों सदन अनिश्चितकाल काल के लिए स्थगित कर दिए गए। इंडी ब्लॉक का विरोध प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा।

संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद परिसर में भाजपा और कांग्रेस सहित विपक्ष के सदस्यों ने एक दूसरे पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। पूरे सत्र में कुल 20 बैठकें हुईं। दोनों सदन (लोस और रास) में लगभग 105 घंटे कार्यवाही चली। रास में महज 40 तो लोस की 57.87 फीसदी उत्पादकता रही।

दो दिनों से संसद में जोरदार हंगामा

सभापति धनखड़ ने संसद में लगातार हो रहे हंगामे और कार्यवाही बाधित होने पर चिंता जताई और सभी पक्ष के सदस्यों से इस पर आत्मचिंतन करने को कहा। इसी बीच, विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया जिसके बाद सभापति ने 11 बजकर 07 मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। ज्ञात हो कि इसी मुद्दे पर पिछले दो दिनों से संसद में जोरदार हंगामा हो रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि शाह ने राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

शाह पर आंबेडकर के अपमान का आरोप

कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर राज्यसभा में दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया। मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया, जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं, ''अभी एक फैशन हो गया है- आंबेडकर, आंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।''

भाजपा का पलटवार

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबासाहेब का अपमान किया और यह सुनिश्चित किया कि वह चुनाव में हार जाएं।

भाजपा सांसद ने प्रियंका गांधी को 1984 लिखा बैग दिया

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद अपराजिता सारंगी ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को एक बैग उपहार में दिया, जिस पर लाल रंग से '1984' लिखा है। सारंगी ने प्रियंका को यह बैग ऐसे समय में दिया है जब कुछ दिन पहले कांग्रेस सांसद फलस्तीन और बांग्लादेश पर लिखे संदेश वाला बैग लेकर संसद पहुंची थीं। भुवनेश्वर से भाजपा सांसद सारंगी ने संसद के गलियारे में प्रियंका गांधी को यह बैग दिया। सारंगी ने कांग्रेस नेता को यह बैग तब सौंपा, जब वह संसद के गलियारे से गुजर रही थीं। प्रियंका ने सारंगी से बैग लिया और आगे बढ़ गईं। भाजपा नेता ने कहा कि बैग पर ''1984'' लिखा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह भी एक मुद्दा है, जिसे कांग्रेस नेता को उठाना चाहिए, क्योंकि वह अपने बैग पर बयान दे रही हैं। फलस्तीन के लोगों के प्रति समर्थन दर्शाते हुए वायनाड से सांसद सोमवार को एक बैग लेकर संसद पहुची थीं, जिस पर ''फलस्तीन'' लिखा था। कांग्रेस सांसद को बाद मेंसंसद में एक क्रीम रंग के हैंडबैग के साथ देखा गया था।

रास में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी बोले

शीतकालीन सत्र में सरकार ने फासीवाद का उदाहरण दिया, शाह के कारण माफी मांगें प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस ने संसद का शीतकालीन सत्र के समापन के बाद शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस सत्र के दौरान जो कुछ किया, वो फासीवाद का उदाहरण है। मुख्य विपक्षी दल

ने कहा कि संसद परिसर में 'धक्का-मुक्की' की घटना की सीसीटीवी फुटेज जारी की जाए तथा उसकी ओर से पुलिस में की गई शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाए। राज्यसभा में कांग्रेस के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि अमित शाह के बयान से साबित हो गया कि यदि लोकसभा चुनाव में भाजपा को 400 सीटें मिलतीं तो बाबासाहेब का संविधान खत्म हो जाता और 'मोदी जी का संविधान' होता। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हम इस मांग पर कायम हैं कि गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए और पद से इस्तीफा देना चाहिए। जिसने संविधान निर्माता का अपमान किया हो, उसे मंत्री पद पर नहीं रहना चाहिए।'' तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को माफी मांगनी चाहिए क्योंकि शाह का समर्थन करके वह भी बाबासाहेब के अपमान में बराबर के भागीदार बने हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''हाल की घटनाओं पर नजर डालें तो जो कुछ मोदी सरकार ने किया है, वो फासीवाद का उदाहरण है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश बोले

यह तो 'ट्रेलर' था, बजट सत्र में रास के सभापति धनखड़ के खिलाफ फिर दे सकते हैं नोटिस

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संसद के बजट सत्र में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ 'अविश्वास प्रस्ताव' लाने के लिए नोटिस फिर से दिया जा सकता है तथा इस शीतकालीन सत्र में दिया गया वह नोटिस एक 'ट्रेलर' था जिसे उपसभापति हरिवंश ने खारिज किया। राज्यसभा के

उपसभापति हरिवंश ने विपक्ष का वह नोटिस खारिज कर दिया जिसमें पक्षपातपूर्ण तरीके से उच्च सदन के संचालन का आरोप लगाते हुए सभापति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने की मांग की गई थी। इस विषय पर रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सभापति के खिलाफ हमारा अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया गया है। संविधान में इसकी सीमा नहीं लगाई गई कि कितनी बार अविश्वास प्रस्ताव ला सकते हैं। बजट सत्र में देखा जाएगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी दल आगे फिर यह कदम उठा सकते हैं, उन्होंने कहा, ''बिल्कुल। यह तो पहला कदम है। देखते जाइए। अविश्वास प्रस्ताव को लेकर यह ट्रेलर था।''इंडिया के घटक दलों ने सभापति धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस 10 दिसंबर को राज्यसभा के महासचिव को सौंपा था। विपक्षी सदस्यों ने संविधान के अनुच्छेद 67 (बी) के तहत उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के इरादे से नोटिस दिया था।

के-9 वज्र तोप खरीद के लिए रक्षा मंत्रालय एलएंडटी में हुआ 7629 करोड़ का समझौता

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

मौजूदा चुनौतीपूर्ण माहौल में भारतीय सेना की युद्धक क्षमता को मजबूती प्रदान करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को लार्सन एंड टुब्रो (एल-एंड-टी) के साथ 155 मिमी/52 कैलिबर की क्षमता वाली के-9 वज्र-टी स्वचालित ट्रैक्ड आर्टिलरी तोप की खरीद के लिए कुल 7 हजार 628.70 करोड़ रुपए के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और लार्सन एंड टुब्रो के प्रतिनिधियों के बीच इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। मालूम हो कि मंत्रालय द्वारा कंपनी से कुल करीब 100 वज्र तोपों की खरीद की जाएगी। सेना द्वारा इन्हें चीन के साथ लगी हुई वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के तमाम इलाकों में तैनात किया जाएगा। यह तोपें जटिल और अत्याधुनिक तकनीक से लैस होंगी और सटीकता के साथ लंबी दूरी के लक्ष्यों को अपने अचूक वार से नेस्तनाबूद करने में सक्षम होंगी।

दिल्ली में कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के ईमेल मिले, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली के कई स्कूलों को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जो पिछले 11 दिनों में ऐसी छठी घटना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने स्कूलों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने शुक्रवार को बताया, ''हमें द्वारका सेक्टर-23 स्थित डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) से बम की धमकी के बारे में सुबह पांच बजकर दो मिनट पर फोन आया।'' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि पुलिस, अग्निशमन विभाग, बम निरोधक दल और श्वान दस्ता तलाशी अभियान में शामिल हैं। हालांकि अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

■ 11 दिन में यह छठी बार है जब स्कूलों को ऐसी धमकियां मिली

अधिकारी ने बताया कि द्वारका के लगभग पांच स्कूलों के साथ-साथ अन्य जिलों के कुछ स्कूलों को भी इसी प्रकार के धमकी भरे ईमेल मिले हैं। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर छात्रों को स्कूल नहीं आने के लिए कहा गया, जबकि अन्य ने धमकी मिलने के बाद ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दीं। पिछले 11 दिन में यह छठी बार है जब राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को ऐसी धमकियां मिली हैं।

उत्तर प्रदेश: एएसआई ने कार्तिक महादेव मंदिर पांच तीर्थ स्थलों और 19 कूपों का सर्वेक्षण किया

संभल (भाषा)। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की चार सदस्यीय टीम ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के संभल में हाल ही में खोजे गए श्री कार्तिक महादेव मंदिर, पांच तीर्थस्थलों और 19 कूपों का शुक्रवार को सर्वेक्षण किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि एएसआई की चार सदस्यीय टीम ने आज (शुक्रवार) सुबह सर्वेक्षण शुरू किया। यह सर्वेक्षण अपराह्न साढ़े तीन बजे तक जारी रहा, जिसमें टीम ने संभल के पांच तीर्थ स्थलों और 19 कूपों का सर्वेक्षण किया और साथ ही नए मंदिर (श्री कार्तिक महादेव मंदिर) का भी सर्वेक्षण किया गया।'' उन्होंने बताया कि इन सभी जगह की पैमाइश हमने पहले ही करा ली थी लेकिन एएसआई ने शुक्रवार को सर्वेक्षण किया। पेंसिया ने बताया, ''इन कुओं में चतुर्मुख कूप, मोक्ष कूप, धर्म कूप समेत 19 कुओं और भद्रक आश्रम, स्वर्गदीप और चक्रपाणि समेत पांच तीर्थ स्थलों का सर्वेक्षण किया गया।

कार्यालयः महाप्रबंधक हरियाणा राज्य परिवहन, जींद।

निविदा सूचना Gmail to: gmhrjind1@gmail.com

निदेशालय, राज्य परिवहन हरियाणा चण्डीगढ़ विभाग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार हरियाणा राज्य परिवहन, जीन्द की बसों/वाहनों द्वारा बस स्टैन्ड, जीन्द के 5 किलोमीटर एवं नरवाना व सफीदों उपकेन्द्र के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले पेट्रोल पम्प से कम से कम 15 दिन (अथवा जो भी समयावधि सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी) के लिए अनिवार्य रूप से प्रतिदिन निम्न सारणी अनुसार डीजल लिया जायेगाः-

क्र. सं.	क्षेत्र का नाम	डीजल की मात्रा
1.	जीन्द नया बस स्टैण्ड	लगभग 7500 लीटर प्रतिदिन
2.	नरवाना बस स्टैण्ड	लगभग 2500 लीटर प्रतिदिन

उपरोक्त बारे में केवल दायरे के अन्दर आने वाले सभी पेट्रोल पम्प डीलरों को इस निविदा सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि इच्छुक डीलर अपनी अपनी कुटेशन बन्द लिफाफे में दिनांक 27-12-2024 को सुबह 10:00 बजे तक कार्यालयः महाप्रबन्धक हरियाणा राज्य परिवहन जीन्द में जमा करवाना सुनिश्चित करें तथा दिनांक 27-12-2024 को सुबह 11:00 बजे इच्छुक डीलरों की उपस्थिति में ही इन कुटेशनों को नियमानुसार खोला जाएगा। फर्म को भुगतान 15 कार्यदिवस में किया जाएगा। फर्म/पेट्रोल पम्प डीलर के पास बसों को डीजल देते समय खड़ा रहने का उचित स्थान होना तथा आने-जाने को रास्ता सुगम होना अनिवार्य है ताकि शहर में/पब्लिक को किसी भी तरह के जाम का सामना ना करना पड़े। पेट्रोल पम्प डीलर को विभाग के कर्मचारीयों को बैठने के लिए उचित स्थान भी उपलब्ध करवाना होगा। इसके अतिरिक्त यदि पेट्रोल पम्प पर आने व जाने के समय भीड़/जाम की स्थिति में विभाग के वाहनों के चालान किया जाता है या वाहनों को प्रशासन द्वारा पेट्रोल पम्प तक जाने की अनुमति नहीं दी जाती है तो फर्म के साथ अनुबन्ध रदद कर दिया जाएगा। सशर्त कोई भी निविदा विभाग द्वारा स्वीकार नहीं की जाएगी। पैट्रोल पम्प इस डिपो को डीजल की Supplyनिरंतर करते रहेंगें व किन्हीं अपरिहार्य कारणों के कारण Supplyबंद करते हो तो एक हफ्ते पहले लिखित में डिपो को सूचित करना होगा।

नोटः- 15 दिनों के बाद अनुबन्ध आगे बढ़ाया जायेगा या नहीं, इस बारे विभाग द्वारा आकलन किया जाएगा। सफल कुटेशनधारक को सरकार/विभाग द्वारा समय-2 पर जारी सभी दिशानिर्देश/हिदायतों की शर्तों का पालन करना होगा।

हस्ता/-महाप्रबन्धक
हरियाणा राज्य परिवहन, जींद
पीआरडीएच-1119/11/564/2025/31192/88/6 दि. 20.12.24

■ केन्द्रीय मंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने किया अनावरण

अब कीटनाशक रोधी बॉडीसूट किसानों को हानिकारक प्रभावों से बचाएगा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने भारत के पहले कीटनाशक रोधी बॉडीसूट किसान कवच का अनावरण किया, जिसे किसानों को कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार यह अभूतपूर्व नवाचार किसानों की कीटनाशकों से सुरक्षा सुनिश्चित करने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस कार्यक्रम में किसानों की सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए किसानों को किसान कवच सूट की पहली खेप का वितरण भी किया गया। जितेंद्र सिंह ने कहा है कि किसान कवच सिर्फ एक उत्पाद नहीं है, बल्कि हमारे किसानों के स्वास्थ्य की रक्षा करने का उनसे एक वादा है, क्योंकि वे देश के लिए अन्न उत्पादन में लगे हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार किसान कवच का मूल्य 4 हजार रुपए है और यह सूट धोने योग्य, पुनः इस्तेमाल योग्य है और 150 बार धोने के बाद दो साल तक चल सकता है।

'किसान कवच' का मूल्य 4 हजार रुपये है, धोकर फिर इस्तेमाल हो सकेगा

उच्च न्यायालय 30 को केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के निचली अदालत के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय केजरीवाल की

याचिका पर 30 जनवरी, 2025 को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी को ईडी के वकील ने सूचित किया कि अतिरिक्त महाधिवक्ता राजू दलीलें पेश करने वाले थे, लेकिन वह आज उपलब्ध नहीं थे। अदालत ने केजरीवाल के वकील के अनुरोध पर मामले की अगली सुनवाई 30 जनवरी को तय की है, जबकि पहले इसे 19 फरवरी, 2025 के लिए सूचीबद्ध किया गया था। केजरीवाल के वकील ने ईडी के स्थगन के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा, ''यहां एक व्यक्ति है, जिनके चुनाव जनवरी में होने वाले हैं और वह इस मामले पर बहस करने के लिए दूसरे पक्ष का अंतहीन इंतजार कर रहे हैं।''

आंध्र प्रदेश : बक्से में बंद कर शव भेजा, एक करोड़ 30 लाख दो वर्ना अंजाम ऐसा ही होगा

येंदागंदी (आंध्र प्रदेश) (भाषा)। आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में एक परिवार को एक बक्से में 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव सौंपा गया और उनसे एक करोड़ रुपये से अधिक की मांग की गई। साथ में भेजे एक पत्र में दावा किया गया है कि बरसों पहले लिए

गए ऋण की यह ब्याज समेत राशि है और अगर किसी अमंगल से बचना है तो इसका भुगतान कर दें। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह बक्सा बृहस्पतिवार रात को परिवार के निर्माणाधीन मकान पर पहुंचाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक अदनान नईम आसमी ने बताया कि परिवार को बक्से के साथ एक पत्र दिया गया, जिसमें उनसे 1.3 करोड़ रुपये की मांग की गई है। परिवार में चार सदस्य हैं। आसमी ने ' बताया कि कल रात शव इस स्थान (निर्माणाधीन मकान) पर पहुंचाया गया। पुलिस मामले की विस्तृत जानकारी के लिए जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह 'बक्सा' एक ऑटोरिक्शा में उंडी मंडल के येंदागंदी गांव में सागी तुलसी के निर्माणाधीन मकान पर पहुंचाया गया। तुलसी का पति 10 साल पहले लापता हो गया था।

प. बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला: सुप्रीम कोर्ट बोला गड़बड़ी के बावजूद कैंडिडेट को बाहर नहीं किया

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि जब राज्य सरकार को सिलेक्शन में गड़बड़ी का पता चल चुका था, तो शिक्षकों की अतिरिक्त पद पर नियुक्ति क्यों की

गई। दरअसल, 2016 में पश्चिम बंगाल के स्कूल सेवा आयोग में शिक्षकों की भर्ती में गड़बड़ी के आरोप लगे थे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को राज्य सरकार और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति रद कर दी थी। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लगाई गई थीं। कोर्ट ने 29 अप्रैल को हटाए गए शिक्षकों के खिलाफ सीबीआई जांच से रोक लगा दी थी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई जनवरी में होगी। कलकत्ता हाईकोर्ट के खिलाफ लगी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान बंगाल सरकार का पक्ष वकील राकेश ने रखा। भर्ती में 5 से 15 लाख तक की घूस लेने का आरोप है। कलकत्ता हाईकोर्ट को कई शिकायतें मिली थीं।

डीएनडी फ्लाईवे टोलमुक्त रहेगा न्यायालय ने नोएडा प्राधिकार, उप्र व दिल्ली सरकारों से नाखुशी जताई

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली और नोएडा के बीच यात्रा करने वाले लाखों लोगों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि डीएनडी फ्लाईवे टोलमुक्त रहेगा। न्यायालय ने नोएडा प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश सरकार और दिल्ली सरकार से अप्रसन्नता जताते हुए कहा कि सत्ता के अंधाधुंध दुरुपयोग और जनता से विश्वासघात ने उसकी अंतरात्मा को हिला दिया। सुको ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 2016 के फैसले के खिलाफ दिल्ली-नोएडा-डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे का संचालन करने वाली निजी कंपनी नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) की अपील को खारिज कर दिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में कंपनी से यात्रियों से टोल वसूली बंद करने को कहा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत वसूल ली और काफी मुनाफा भी अर्जित कर लिया है। इसलिए टोल वसूली का औचित्य नहीं रहता।

■ एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत वसूल ली और काफी मुनाफा भी कमाया

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ
सभी किसान भाई–बहनों को भी बताओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की उपलब्धियां
- 19.67 करोड़ किसान भाई–बहनों को अब तक मिला फसल बीमा का लाभ
- ₹1.65 लाख करोड़ के दावों का भुगतान किसानों को किया
- 70 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर, 2024

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार: AIC, Chola MS, Future Generali, HDFC ERGO, ICICI Lombard, IFFCO-TOKIO, Kshema, Oriental Insurance, Reliance General Insurance, SBI General, TATA AIG, Universal Sompo General Insurance

अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा | @PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

संसद में खुली यूनुस सरकार की पोल, विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन बोले

अब पाकिस्तान से ज्यादा क्रूर बन गया बांग्लादेश, हिंदुओं पर किए 2200 हमले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने संसद में बताया है कि इस साल आठ दिसंबर तक बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ 2200 हमले हुए हैं, जबकि अक्टूबर तक पाकिस्तान में इस साल हिंदुओं पर 112 हमलों की घटनाएं सामने आई हैं

बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने के बाद से हिंदुओं के खिलाफ जमकर हिंसा हो रही है, लेकिन अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस मानने को तैयार नहीं हैं। अब भारत सरकार ने हिंसा पर बांग्लादेश के झूठ की पोल खोल दी है। संसद में दिए एक जवाब में विदेश राज्य मंत्री

कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया है कि इस साल आठ दिसंबर तक बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ 2200 हमले हुए हैं, जबकि अक्टूबर तक पाकिस्तान में इस साल हिंदुओं पर 112 हमलों की घटनाएं सामने आई हैं। इससे साफ है कि बांग्लादेश हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान से भी ज्यादा क्रूरता दिखा रहा है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने संसद में आंकड़े जारी करते हुए बताया कि बांग्लादेश में साल 2022 में जहां 47 हमले हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ सामने आए, तो पाकिस्तान में यह संख्या 241 थी। इसके बाद 2021 में बांग्लादेश में 302 मामले सामने आए और पाकिस्तान में 103। वहीं, इस साल बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसाओं पर जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है।

2021 में बांग्लादेश में हिंदुओं पर 302 और पाकिस्तान मे 103 हमले किए गए है 2024 में बांग्लादेश में हिंदुओं पर 2200 हमले हुए हैं जबकि पाकिस्तान में इनकी संख्या 112 है

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ा तनाव

अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के कारण अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध गंभीर तनाव में आ गए। हसीना के भारत में शरण लेने के कुछ दिनों बाद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस सत्ता में आए। वह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में नेतृत्व करते हैं।

अन्य देशों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा शून्य

इसके साथ ही, विदेश राज्य मंत्री ने यह भी कहा कि भारत सरकार ने पाकिस्तान से धार्मिक असहिष्णुता, सांप्रदायिक हिंसा, व्यवस्थागत उत्पीड़न और अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों को रोकने तथा उनकी सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है। मंत्री ने कहा, भारत उचित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा को उजागर करना जारी रखता है। मंत्री ने कहा कि अन्य पड़ोसी देशों (पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर) में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मामले शून्य हैं। सिंह से पिछले तीन वर्षों के दौरान पड़ोसी देशों में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के कुल मामलों की संख्या, देशवार और वर्षवार और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए मंत्रालय द्वारा उठाए गए या प्रस्तावित कदमों, जिसमें राजनयिक हस्तक्षेप और राहत उपाय शामिल हैं, के बारे में पूछा गया था।

पीएम मोदी की कुवैत यात्रा से नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे द्विपक्षीय संबंध : राजदूत

चार दशक के बाद भारतीय पीएम की यात्रा, आज कुवैत जाएंगे प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कुवैत में भारत के राजदूत आदर्श स्वैका के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है और इससे द्विपक्षीय संबंधों के अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचने की उम्मीद है।

स्वैका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है, खास तौर पर तीन महत्वपूर्ण तथ्यों के संदर्भ में। सबसे पहले, यह यात्रा 43 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कुवैत की हो रही है। दूसरी बात, यह खाड़ी क्षेत्र का एकमात्र ऐसा देश है, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक दौरा नहीं किया है। और तीसरी

बात, दोनों पक्षों के बीच, अगर आप देखें तो यह पिछले एक दशक में पहली उच्च स्तरीय यात्रा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी कुवैत के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे।

भारतीय मजदूरों के शिविर में जाकर हालचाल जानेंगे

वहीं, मोदी कुवैत के एक भारतीय मजदूरों के शिविर में जाने का कार्यक्रम भी है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय में शुक्रवार को पीएम की कुवैत यात्रा को लेकर आयोजित की गई एक विशेष मीडिया ब्रीफिंग में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में मंत्रालय में सचिव (सीपीवी एंड ओआईए) अरुण कुमार चटर्जी ने दी। इस साल जून में कुवैत के मंगाफ शहर की एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से हुई लगभग 45 भारतीय कामगारों की मौत की घटना के बाद संभवतः यह पहला ऐसा मौका होगा। कुवैत में मोदी को गार्ड ऑफ आनर का सम्मान दिया जाएगा।

सूरत में 8.57 करोड़ रुपये का सोना जब्त, दो हिरासत में

सूरत(भाषा)। गुजरात के सूरत में पुलिस ने दो व्यक्तियों से कथित तौर पर 8.57 करोड़ रुपये मूल्य का 14.7 किलोग्राम सोना जब्त किया है और दोनों को जांच के सिलसिले में हिरासत में ले लिया है। 'बी' डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त पीके पटेल ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार रात को सिमाडा नाका जंक्शन पर हिरेन भट्टी और मंजी धमेलिया से यह बरामदगी की गई। पटेल ने कहा, "हिरासत में लिए गए लोगों ने अपनी कमीज के अंदर 14.7 किलोग्राम वजन के आठ सोने के टुकड़े छिपा रखे थे। वे सोने से संबंधित दस्तावेज पेश करने में विफल रहे। दोनों को हिरासत में रखा गया है।

भोपाल के जंगल में कार में 52 किलो सोना मिला 11 करोड़ कैश बरामद, आईटी टीम की कार्रवाई

भोपाल(एजेंसी)। आयकर विभाग को भोपाल के मेंडोरी के जंगल में गुरुवार देर रात एक कार से 52 किलो सोना मिला। इसके अलावा, 11 करोड़ रुपए कैश भी बरामद हुए हैं। कार एक मकान के बाहर लावारिस हालत मिली। सोने की कीमत करीब 40 करोड़ 47 लाख रुपए आंकी गई है। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये सोना और कैश किसका है। आयकर विभाग (आईटी) को यह बड़ी कामयाबी मध्यप्रदेश में रियल एस्टेट कारोबारियों पर रेड के बीच मिली है। आयकर विभाग ने दो दिन में भोपाल और इंदौर में 51 ठिकानों पर छापेमारी की है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि सोना और कैश का कनेक्शन बिल्डर्स और आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के यहां चल रही कार्रवाई से तो नहीं है। जिस कार से सोना और कैश मिला है वह चेतन गौर नाम के व्यक्ति की बताई जा रही है। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, एक खुफिया जानकारी मिली थी कि जंगल में एक कार में कैश है, जिसे कहीं ले जाया जा रहा है।

अतुल की मां ने अब अदालत से लगाई गुहार, पोते की कस्टडी मांगी, सुप्रीम कोर्ट ने तीन राज्य सरकारों को दिया नोटिस

नई दिल्ली(एजेंसी)। बेंगलूरू में आईटी पेशेवर अतुल सुभाष के आत्महत्या का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अतुल की मां ने 4साल के पोते की कस्टडी देने की सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी किया है। उन्होंने पत्नी निकिता सिंघानिया, सास, साले और उनके मामले की सुनवाई कर रही जज पर भी गंभीर आरोप लगाए थे।

दादा- दादी को दिया जाए पोता : अंजू ने कहा कि व्योम को दादा-दादी के साथ रहने की अनुमति मिलनी चाहिए। निकिता जेल चली गई है। अब उसके साथ अतुल का बेटा असुरक्षित है। सिंघानिया परिवार ने बच्चे को खोजने के प्रयासों में बाधा डाली है।

भारत से पाकिस्तान पहुंचे 70 हिंदू तीर्थयात्रियों का हुआ भव्य स्वागत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में स्थित कटास राज मंदिरों के दर्शन के लिए भारत के 70 हिंदू तीर्थयात्रियों का जत्था वाघा बॉर्डर के रास्ते लाहौर पहुंच गया है। पाकिस्तान और भारत के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए एक द्विपक्षीय समझौता है, जिसके तहत भारत से सिख और हिंदू तीर्थयात्री प्रतिवर्ष पाकिस्तान जाते हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के तीर्थयात्री भी इसी समझौते के तहत हर साल भारत आते हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सिख समुदाय के लोग स्वर्णमंदिर के दर्शन करते हैं। पाकिस्तान के तीर्थयात्री अजमेर में ख्वाजाजी की दरगाह के दर्शन भी करते हैं। कटास राज मंदिर, कई हिंदू मंदिरों का एक परिसर है।

कारगिल की पहाड़ी पर पहुंचे ताशी ने पाक को 'बंकर' बनाते देखा था

लेह। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की पहली सूचना देने वाले लद्दाख के चरवाहे ताशी नामग्याल का निधन हो गया है। भारतीय सेना के लेह स्थित 14 कोर मुख्यालय ने शुक्रवार को 'एक्स' (ट्विटर) पर उनके निधन की खबर शेयर की है। कारगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) भारत और पाकिस्तान के बीच मई-जुलाई 1999 के बीच हुआ। यह युद्ध जम्मू-कश्मीर के कारगिल क्षेत्र में लड़ा गया। इस युद्ध के कई नायक थे, जिनमें चरवाहे ताशी नामग्याल का नाम भी शामिल है। नामग्याल के निधन पर सेना ने कहा, ऑपरेशन विजय 1999 के दौरान राष्ट्र के प्रति उनकी अमूल्य सेवा स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगी। इस दुख की घड़ी में हम शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

अलविदा ताशी

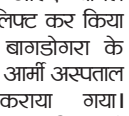

सिक्किम में 12000 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किए गए 12 पैरामिलिट्री जवान

जुलुक। सिक्किम में 12 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद जुलुक इलाके में शुक्रवार को सड़क हादसा हुआ। इस घटना में पैरामिलिट्री के 12 जवान घायल हुए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद इंडियन एयरफोर्स ने इन जवानों को एयरलिफ्ट किया। रक्षा विभाग के मुताबिक, ईस्टर्न एयर कमांड ने चीता और एमआई-17 हेलीकॉप्टर के जरिए घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर किया गया। सभी को बागडोगरा के बेंगडुबी में मौजूद आर्मी अस्पताल में एडमिट कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि सभी जवान खतरे से बाहर हैं। जुलुक में हैलीपैड बहुत छोटा है, ये 12 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद है।

हरियाणा सरकार

क्या आप शीत लहर / ठंड से बचाव के लिए तैयार हैं ?

शीतलहर और ठंड से बचने के उपाय

- मौसम संबंधी जानकारी के लिए रेडियो सुनें, टी.वी. देखें या समाचार-पत्र पढ़ें।
- यथा संभव घर के अंदर रहें, ठंडी हवा से बचने के लिए केवल आवश्यक यात्रा ही करें।
- भारी कपड़ों की एक परत के बजाय हल्के, ढीले, विंडप्रूफ ऊनी कपड़ों की कई परत पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर, चेहरे, हाथों और पैरों को भी उपयुक्त गर्म कपड़े से ढकें।
- शरीर में ऊष्मा का प्रवाह बनाए रखने के लिए पोष्टिक आहार जैसे कि विटामिन C से भरपूर स्वस्थ आहार, फल एवं सब्जियों का सेवन करें।
- शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए नियमित रूप से गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- अपने शरीर को सूखा रखें। यदि गीले हो जाएं, तो शरीर की गर्मी को बचाने के लिए शीघ्रता से कपड़े बदलें।
- बुजुर्गों और बच्चों की ठीक से देखभाल करें और अनावश्यक घर से बाहर न जाने दें।
- शराब का सेवन न करें। यह आपके शरीर के तापमान को कम करता है।
- कंपकपी को नजरअंदाज न करें। यह एक महत्वपूर्ण पहला संकेत है कि शरीर गर्मी खो रहा है और प्रभावित व्यक्ति को तुरंत घर के अंदर ले आना चाहिए।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में आने से त्वचा का रंग पीला, सख्त और सुन्न हो सकता है और अंगूठे, पैर की अंगुलियां, नाक या कान की लोब जैसी शरीर की खुली जगहों पर काले घाव हो सकते हैं। यदि ऐसा हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- कम तापमान में अपने पालतू जानवरों का ध्यान रखें और उन्हें घर के अंदर रखें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो, तो पशु चिकित्सक से संपर्क करें।
- राज्य सरकार द्वारा ठंड के समय शहरी क्षेत्रों में बेघरों के लिए रैन बसेरों का प्रबंध किया जाता है, जहाँ कंबल/बिस्तर आदि उपलब्ध रहते हैं। जरूरत के समय इन सुविधाओं का उपयोग करके ठंड से बचा जा सकता है।

हाइपोथर्मिया (शरीर के तापमान के कम होने) की स्थिति में, निम्नलिखित कदम तुरंत उठाएं

- व्यक्ति को गर्म स्थान पर ले जाएं और कपड़े बदलें।
- व्यक्ति के शरीर को त्वचा से त्वचा के संपर्क, सूखे कंबल, कपड़े, तौलिये या चादरों से गर्म करें।
- शरीर के तापमान को बढ़ाने में मदद के लिए गर्म पेय दें। शराब न दें।
- यदि स्थिति बिगड़ती है तो तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।

आपातकालीन स्थिति में 112 डायल करें

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, हरियाणा द्वारा जनहित में जारी।

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा www.pharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25